बिहार-झारखंड संस्करण
वर्ष: 5
अंक: 159
मूल्य ₹ 2.00
पृष्ठ 06
Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

दैनिक बिहार पत्रिका
DAINIK BIHAR PATRIKA

पटना। रविवार, 12 जनवरी 2025 | सम्पादक: कृष्णा टेकड़ीवाल | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

संक्षिप्त खबर

प्रधानमंत्री मोदी फरवरी में फ्रांस का दौरा करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने फ्रांस की राजकीय यात्रा पर आएंगे और यहां होने वाले कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यह जानकारी दी।मैक्रो ने कहा, ''फ्रांस 11 और 12 फरवरी को एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जो कार्रवाई करने के लिए एक शिखर सम्मेलन है। यह हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर चर्चा करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी हमारे देश की राजकीय यात्रा के तुरंत बाद वहां होंगे। यह (एआई शिखर सम्मेलन) हमें सभी शक्तियों, आईईए, अमेरिका, चीन और प्रमुख देशों जैसे... भारत के साथ-साथ खाड़ी देशों के साथ संवाद करने में सक्षम बनाएगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इस सप्ताह की शुरुआत में फ्रांसीसी राजदूतों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। फ्रांस24 पर प्रसारित किए गए उनके भाषण के अनुसार, उन्होंने 2025 के लिए अपनी विदेश नीति प्रस्तुत की और अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद वाशिंगटन के साथ इसके संबंधों सहित कई विषयों पर बात की।

उत्तर प्रदेश के बलिया में भगवान हनुमान की प्रतिमा मिली खंडित, मामला दर्ज

उत्तर प्रदेश (एजेंसी)

बलिया जिले में सिकन्दरपुर थानाक्षेत्र के सिकन्दरपुर कस्बे के गोलाबाजार मोहल्ला स्थित हनुमान मंदिर में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा भगवान हनुमान की एक प्रतिमा खंडित किये जाने का मामला सामने आया है।यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध एक मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार सिकन्दरपुर कस्बे के गोलाबाजार मोहल्ले में स्थित हनुमान मंदिर में शुक्रवार देर शाम अज्ञात व्यक्तियों द्वारा भगवान हनुमान की प्रतिमा खंडित कर दी गई। थाना प्रभारी विकास चंद्र पांडेय ने शनिवार को बताया कि भगवान हनुमान की प्रतिमा का गदा तोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त प्रतिमा को ठीक करा दिया गया है।उन्होंने बताया कि इस मामले में सिकन्दरपुर पुलिस चौकी प्रभारी जान प्रकाश तिवारी की तहरीर पर अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

दिग्गज अभिनेता टीकू तलसानिया को पड़ा दिल का दौरा, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)

मशहूर कॉमेडियन और दिग्गज अभिनेता टीकू तलसानिया को दिल का दौरा पड़ा है। उनको पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल टिकू का इलाज चल रहा है और शुरुआती जानकारी सामने आ रही है कि उसकी हालत गंभीर है। टीकू ने कई कॉमेडी शो और फिल्म सीरियल में काम किया है। टीकू को आखिरी बार 2024 की वीडियो फिल्म 'विकी-विद्या का वो वाला' में देखा गया था। दिग्गज अभिनेता टीकू तलसानिया 70 साल के हैं। उनकी स्थिति पर कोई अपडेट नहीं है। टीकू को हमने 'सर्कस', 'स्पेशल 26', 'फिर हेरा फेरी', 'हंगामा', 'रिश्ते', 'देवदास' जैसी फिल्मों में अभिनय करते हुए देखा है। टिकू की हालत गंभीर है और उनके प्रशंसकों को उम्मीद है कि इलाज के बाद वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे। टीकू तलसानिया के बारे में-टीकू का जन्म 1954 में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1984 में टेलीविजन धारावाहिक 'ये जो है जिंदगी' से की थी। बाद में उन्होंने कई धारावाहिकों और फिल्मों में हास्य भूमिकाएँ निभाईं। इसके अलावा उन्होंने गुजराती थिएटर में भी काम किया है। उनकी पत्नी का नाम दीप्ति है और उनके दो बच्चे रोहन और शिखा हैं। इनमें शिखा एक एक्ट्रेस हैं और उन्होंने 'वेक अप सिड', 'वीरे दी वेडिंग' जैसी फिल्मों में काम किया है। टीकू तलसानिया के हेल्थ अपडेट पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

युवा दिवस पर आयोजित होगा कार्यक्रम

दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर टीएमबीयू एनएसएस द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक कॉलेज में अलग-अलग प्रतियोगिताएं कराई जा रही है।इस प्रतियोगिता के बाद विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। टीएमबीयू में भी आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया जाएगा।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव पर रामलला का अभिषेक प्रारम्भ

दैनिक बिहार पत्रिका

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि के भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के एक वर्ष पूरे होने पर शनिवार को प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव के तहत श्रीराम मंदिर में श्री रामलला का वैदिक विधान के साथ अभिषेक प्रारम्भ हो गया है। 11 बजे से गर्भगृह में श्रीरामलला का अभिषेक चल रहा है। उसके बाद अंगद टीला पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उद्घाटन कर श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे। इस उपलक्ष्य में सोनू निगम, शंकर महादेवन व मालिनी अवस्थी समेत कई मशहूर कलाकारों द्वारा गाया गया भजन भी रिलीज किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म के अधिष्ठाता मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जन्मस्थान में नवनिर्मित मन्दिर की स्थापना के एक वर्ष पौष शुक्ल पक्ष, द्वादशी, विक्रम सम्वत, 2001 तद्नुसार 11 जनवरी को सम्पन्न हो रहा है। इस दौरान 13 जनवरी तक उत्सव मनाया जाएगा। गर्भगृह के निकट मंडप में राग सेवा का कार्यक्रम 3 दिन चलेगा ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि आज से तीन दिवसीय श्रीराम राग-सेवा का कार्यक्रम मन्दिर परिसर में गर्भगृह के निकट मण्डप में सम्पन्न होगा। इसमें प्रभु श्रीराम की भक्ति के प्रति विनीत भाव से संगीत, नृत्य और वादन होगा। आज लता मंगेशकर की बहन व प्रख्यात गायिका ऊषा मंगेशकर और मयूरेश पई भगवान के सम्मुख भजन से राग-सेवा का आरम्भ करेंगी। इसके बाद साहित्य नाहर सितार व सन्तोष नाहर वॉयलिन की जुगलबन्दी से भक्ति का कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। आज पहले दिन का समापन डॉ. आनन्दा शंकर जयन्त द्वारा भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति से होगा।रविवार को उत्सव के दूसरे दिन महोत्सव की शुरुआत राग सेवा प्रसिद्ध लोकगायिका शैलेश श्रीवास्तव के बधावा, सोहर गायन से होगी। इसके बाद प्रख्यात शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली श्रीराम भजन व निर्गुण गायन से राग-सेवा प्रस्तुत करेंगी। कार्यक्रम का समापन विश्वविख्यात बांसुरी वादक राकेश चौरसिया के बांसुरी वादन से होगी। उत्सव के तीसरे और अन्तिम दिन सोमवार को को राग-सेवा का आरम्भ आरती अंकलिकर के शास्त्रीय गायन से होगा, जिसके बाद प्रख्यात कथक नृत्यांगना शोभना नारायण की कथक प्रस्तुति होगी। अन्त में दक्षिण के गायक श्रीकृष्ण मोहन एवं श्रीराम मोहन त्रिचूर ब्रदर्स के शास्त्रीय गायन व श्रीराम भजन से कार्यक्रम सम्पन्न होगा।प्रथम वर्षगांठ के कार्यक्रम को देखते हुए तीन दिन तक सभी तरह के पास को बंद कर दिया है। अधिक लोग रामलला का दर्शन कर सकें इसलिए दूरदर्शन पर लाइव प्रसारण किया जा रहा।सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध हैं। राम मंदिर की प्रथम वर्षगांठ को लेकर मंदिर परिसर को 50 क्विंटल से भी अधिक के फूलों से संजाया गया है। इसके अलावा 11 नम्बर के वीआईपी गेट को भव्य तरीके से सजाया गया है। अन्य द्वारों पर भी फूलों से सजावट की गई है। वहीं, नगर निगम ने कार्यक्रम व महाकुंभ को देखते हुए पेड़ों पर भी झालर लाइट लगी है। आज के कार्यक्रम को लेकर पुलिस व प्रशासन ने सुरक्षा-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम कर रखे हैं। सुरक्षा के लिए रूट डायवर्जन भी किया गया है।

महाकुम्भ पर सात हजार अतिरिक्त बसें चलाने की तैयारी में परिवहन विभाग

मुख्यमंत्री ने की यूपी रोडवेज की तैयारियों की समीक्षा

उत्तर प्रदेश (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों के साथ शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ को लेकर यूपी रोडवेज द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की।महाकुम्भ में सभी श्रद्धालुओं के सुगम-सनज संगम स्नान के लिए यूपी रोडवेज सात हजार बसें चलाए जाने की तैयारी में हैं। मेला क्षेत्र के लिए 550 शटल बसें भी चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने अपने निर्देश में कहा कि पूरे महाकुंभ अवधि तक सभी जनपदों से प्रयागराज के लिए बसों का संचालन किया जाए। बसों के संचालन से संबंधित समय सारणी का व्यापक प्रचार प्रसार करें। प्रमुख स्नान पर्वों के अतिरिक्त भी पूरी महाकुंभ अवधि में सभी जनपदों से बसों का संचालन प्रयागराज के लिये होना चाहिए। श्रद्धालुओं को यात्रा में कोई समस्या ना हो, इसका विशेष ध्यान रखे। उन्होंने सख्त हिदायत दी है कि मादक पदार्थों का सेवन किसी भी बस के चालक एवं परिचालक नहीं करेंगे।

प्राइवेट बसों के लिए यह सुनिश्चित करे कि ना तो निश्चित किराया से ज़्यादा किराया लिया जाये ना ही निश्चित क्षमता से अधिक ओवरलोडिंग हो।

बैठक में परिवहन मंत्री, प्रमुख सचिव परिवहन, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं एमडी परिवहन की उपस्थिति रही।

दिवंगत विधान पार्षद सदस्य विशुनदेव राय के घर उनके परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे पूर्णिया सांसद पप्पू यादव

दैनिक बिहार पत्रिका

पप्पू यादव ने अरविंद केजरीवाल पर किया हमला; बोले यूपी बिहार के वोटर से ही केजरीवाल चुनाव जीते थे; उन्हें शर्म और आंख में पानी नहीं है।

वैशाली ।पूर्णिया सांसद पप्पू यादव शनिवार को हाजीपुर के दिग्घी स्थित दिवंगत पूर्व विधान पार्षद विष्णुदेव राय के शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर संवेदनाएँ व्यक्त कीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस दुःखद क्षण में परिवार के साथ खड़ा होना हमारा कर्तव्य है। विष्णुदेव राय जी का योगदान समाज और राजनीति के क्षेत्र में अद्वितीय था। उनकी कमी को कभी पूरा नहीं किया जा सकता। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति दें। इस दौरान हाजीपुर पहुंचे पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने मीडिया को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यूपी-बिहार के वोटर से ही अरविंद केजरीवाल चुनाव जीते हैं और लंबी-लंबी बातें करते हैं, उन्हें शर्म और आंखों में पानी नहीं है। पप्पू यादव ने कहा कि पंजाब में भी पूर्वांचली लोगों ने ही जिताया और पूर्वांचल और बिहारी पिटाएगा उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के लोग फिर अपने घर कांग्रेस में ही जाए। आगे पप्पू यादव ने बताया कि पहले बीजेपी ने पूर्वांचल लोगों को गाली दिया करता था अब अरविंद केजरीवाल बिहारी और पूर्वांचल को लोगों को गाली दे रहे हैं उन्होंने कहा कि पूर्वांचल और बिहारी का अपना पुराना घर कांग्रेस है वे लोग कांग्रेस में जाए। दिल्ली चुनाव को लेकर पप्पू यादव ने कहा कि हम कांग्रेस के साथ है। उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली चुनाव में कांग्रेस का स्टार कैंपेनर हूं और दिल्ली में कांग्रेस चुनाव जीतेगी। बिहारी के अपमान के सवाल को लेकर हाजीपुर में तेजस्वी यादव से पूछा गया तो तेजस्वी यादव चुप हो गए थे। इस सवाल जब पप्पू यादव से किया गया तो पप्पू यादव ने कहा कि जो बीजेपी के साथ रहेंगे वह निश्चित रूप से चुप रहेंगे इससे साफ स्पष्ट होता है कि तेजस्वी यादव भी बीजेपी के साथ है। और बिहारी के हो रहे अपमान के बाद वे चुप है।

पेपर लीक देश में एक तरह का व्यापार बन गया: धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को बुद्धिजीवियों की गुटबाजी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसी संस्था का कमजोर होना राष्ट्रीय हित में नहीं है। धनखड़ ने कर्नाटक के बेंगलुरु में सभी राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के 25 वें राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि इस समय देश की राजनीति बहुत विभाजनकारी है। राजनीतिक संगठनों में उच्च स्तर पर बातचीत नहीं हो रही है। राजनीतिक विभाजन, खराब राजनीतिक माहौल जलवायु परिवर्तन के उन प्रभावों से कहीं ज्यादा खतरनाक है जिनका हम सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राजनीति में सामंजस्य केवल एक इच्छा नहीं है, बल्कि एक वांछनीय पहलू है। सामंजस्य अनिवार्य है। अगर राजनीति में सामंजस्य नहीं है, अगर राजनीति विभाजनकारी है, कोई संचार चैनल काम नहीं कर रहा है तो यह राष्ट्र के लिए बहुत नुकसानदेह है।धनखड़ ने कहा कि कोई भी एक संस्था अगर कमजोर होती है, तो इसका नुकसान पूरे देश को होता है। संस्थाओं को मजबूत करना चाहिए। राज्यों और केंद्र को मिलकर काम करना चाहिए। उन्हें तालमेल के साथ काम करना चाहिए। जब राष्ट्रीय हित की बात आती है तो उन्हें एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। राष्ट्र के सामने आने वाले मुद्दों को नजरअंदाज करने के बजाय बातचीत और चर्चा के जरिए हल करने की जरूरत पर जोर देते हुए श्री धनखड़ ने कहा, हम एक ऐसे देश में रह रहे हैं जहां विभिन्न विचारधाराओं का शासन होना निश्चित है। यह समाज में समावेशिता की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि सभी स्तरों पर बैठे सभी लोगों को संवाद बढ़ाना चाहिए और आम सहमति पर विश्वास करना चाहिए। उन्हें हमेशा विचार-विमर्श के लिए तैयार रहना चाहिए। देश के सामने मौजूद समस्याओं को पृष्ठभूमि में नहीं धकेला जाना चाहिए। धनखड़ ने कहा,मैं सभी राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेतृत्व से एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र और माहौल बनाने का आग्रह करता हूं जो औपचारिक, अनौपचारिक संवाद, चर्चा उत्पन्न कर सके। आम सहमति वाला दृष्टिकोण, चर्चा हमारे सभ्यतागत लोकाचार में गहराई से निहित है।

भारत की सात प्रतिशत आबादी नशे की लत में : शाह

10 सालों में तीन लाख किलो ड्रग्स की गई जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि देश में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ केंद्र और राज्य सरकारों को संयुक्त होकर 'रुथलेस अप्रोच' के साथ कार्रवाई करनी होगी। गृह मंत्री ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा आयोजित मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि अगर हम भारत को दुनिया में प्रथम बनाना चाहते हैं, तो यह नशा मुक्त भारत के बिना संभव नहीं है। शाह ने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत की सात प्रतिशत आबादी नशे की लत में है। अगर हम अभी नहीं चेते तो दस साल में बहुत देर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केंद्र और राज्य सरकारों को एकजुट मंच पर सामूहिक रूप से लड़नी होगी। उन्होंने कहा, कोई भी देश नशे से ग्रसित युवा पीढ़ी के साथ विकास के मार्ग पर आगे नहीं बढ़ सकता। हमारी जिम्मेदारी है कि हम सभी मिलकर इस चुनौती से लड़ें और इस लड़ाई को जीतने के लिए संपूर्ण प्रयास करें।नशीले पदार्थों के प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराते हुए शाह ने घोषणा की कि आज, हमने जब्त किए गए नशीले पदार्थों को जलाने की पहल की है।उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों को जलाने का पखवाड़ा के दौरान अगले 10 दिनों के भीतर एक लाख किलोग्राम मादक द्रव्य नष्ट किए जाएंगे, जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार में 8600 करोड़ रुपये मूल्य है। पिछले दशक में हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई बहुत मजबूत हुई है। गत 10 वर्षों में ड्रग्स की जब्ती में 7 गुना वृद्धि दर्ज हुई, जो एक बड़ी उपलब्धि है। मोदी सरकार ने कठोर कार्रवाई से ड्रग्स के पूरे इकोसिस्टम को तबाह करने का मजबूत संदेश दिया है। उन्होंने पिछली सरकार के आंकड़े साझा करते हुए कहा कि 2004-14 तक 3.63 लाख किलो मादक द्रव्यों की जब्ती की गई। वहीं पिछले 10 साल में हमने 24 लाख किलो ड्रग्स जब्त की है। यह सात गुना अधिक है। यह बहुत बड़ा उपलब्धि है। इस अवधि में डिस्पोज किए गए ड्रग के तुलनात्मक मूल्य में भी आठ गुना वृद्धि हुई है। 2004-14 में यह 8 हजार 150 करोड़ था वहीं 2014-24 में 56 हजार 851 करोड़ हुआ है। उन्होंने कहा कि 2024 में 16,914 करोड़ रुपये के ड्रग्स जब्त कर एनसीबी और देशभर की पुलिस ने नशे के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाई की, जिससे युवाओं और समाज को नशामुक्त भविष्य की दिशा में मजबूती मिली है। आजादी के बाद का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। हमारे सामने मौजूद चुनौती को देखते हुए हमें और मजबूती के साथ बारीक प्लानिंग, समयानुकूल रणनीति बनाकर आगे बढ़ना होगा तभी हम सफल हो पाएंगे। शाह ने कहा कि अगर हम एक जिले को नशामुक्त कर सकते हैं, तो धीरे-धीरे पूरे देश को नशामुक्त करना संभव है। जिला स्तर की परिस्थितियों के आधार पर रणनीति बनेगी, तो इसमें भारी सफलता मिलेगी। शाह ने कहा कि आलोचक दावा कर रहे हैं कि नशीली दवाओं की खपत में वृद्धि हुई है, लेकिन तथ्य यह है कि ये आंकड़े नशीली दवाओं के उपयोग में वास्तविक वृद्धि के बजाय नशीली दवाओं के नेटवर्क पर नकेल कसने में प्रवर्तन एजेंसियों की सफलता को दशार्ते हैं। अमित शाह ने कहा कि डार्क वेब, क्रिप्टो करंसी, आॅनलाइन मार्केट प्लेस और ड्रोन का इस्तेमाल आज भी हमारी लिए चुनौती है। इसके तकनीकी समाधान हमारी एजेंसियों, राज्य सरकार और इस तकनीक से जुड़े युवाओं ने देश के हित में ड्रग फ्री अभियान के हित में ढूढ़ने पड़ेंगे। केमिकल ड्रग को लेकर राज्यों कओ आगाह करते हुए अमित शाह ने कहा कि देशभर में कम से कम 50 से ज्यादा लैब पकड़ी गई हैं। ये बताता है कि हमारी सख्ती के कारण ड्रग की डिमांड में वृद्धि हुई है और ऐसे लोग उसका विकल्प तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी राज्य सरकारों को 'रुथलेस अप्रोच' के साथ प्रदेश में चल रही अवैध केमिकल लैब पर कार्यवाही करनी होगी। गृह मंत्री ने कहा कि 2019 से हमारे अप्रोच में बड़ा बदलावा आया है। ड्रग की सप्लाई चेन के खिलाफ हमने रुथलेस अप्रोच को अपनाया है। शाह ने राज्यों से मानस एप और 1933 टोल-फ्री नंबर को लोकप्रिय बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 25 हजार से अधिक लोगों ने इस पर संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि पीआईटी एनडीपीएस एक्ट का उपयोग बढ़ाना होगा और संपत्ति जब्ती के कानूनी प्रावधान को मजबूत करना ड्रग्स के व्यापार को खत्म करने के लिए जरूरी कदम हैं। इस मौके पर कार्यक्रम में दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन कुमार डेका, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के महानिदेशक अनुराग गर्ग मौजूद थे। वहीं ऑनलाइन माध्यम से राज्यों के राज्यपाल, प्रशासक और मुख्यमंत्री भी जुड़े थे।

पुलिस ने भारी मात्रा नशीली दवा एवं इंजेक्शन किया बरामद

पूर्वी चंपारण। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर ड्रग्स और नारकोटिक्स के धंधेबाजो के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत गुप्त सूचना पर भारत-नेपाल सीमा से सटे जिला के घोड़ासहन स्थित सत्यम इंटरप्राइजेज नामक दवा दुकान और उसके संचालक के आवासीय मकान पर छापेमारी की गयी।यहां से पुलिस ने बड़े पैमाने पर नशीली दवा व इंजेक्शन बरामद किया है। टीम को लीड कर रहे सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार के अनुसार उक्त दवा दुकान के संचालक सुरेन्द्र जयसवाल के घर व दुकान से बरामद किये भारी मात्रा में नशीला दवा व इंजेक्शन की गिनती ड्रग्स इंस्पेक्टर एवं मजिस्ट्रेट की निगरानी में चल रही है,जबकि दवा दुकानदार सुरेन्द्र प्रसाद जायसवाल मौके से भागने में सफल रहा है। पुलिस की एक टीम उसकी तलाश में जुटी है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि सत्यम इंटरप्राइजेज का मालिक सुरेन्द्र जयसवाल के फरार होने के बाद उसके बेटा और पत्नी को हिरासत में लिया गया है।उसके घर के सोफा आलमीरा सहित सभी जगहो से नारकोटिक्स बरामद किये गये है। इसके तीन मंजिला घर के जकूजी, बाथ टब सहित अन्य ऐशोआराम की सुविधा देख ऐसा प्रतीत होता है,कि उसने नारकोटिक्स के धंधे से अकूत संपत्ति अर्जित की है।

डीएम ने साप्ताहिक विकास कार्यों कि की समीक्षा, आवास योजना में बिचौलियों से बचाव के दिए निर्देश

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। शनिवार को जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार की अध्यक्षता में सप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों यथाः- ग्रामीण विकास, पंचायती राज, आई०सी०डी०एस०, राजस्व, जिला परिषद् इत्यादि के अन्तर्गत क्रियान्वित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान निर्देश दिया गया की दिनांक-10.01.2025 से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रा०) अन्तर्गत प्रतीक्षा सूची में छूटे हुए योग्य लाभुकों / आवास विहीन लाभुकों का आवास एप 2024 पर नाम जोड़ने के लिए सर्वेक्षण का कार्य शुरू किया गया है। सर्वेक्षण के क्रम में नाम जोड़ने की अंतिम तिथिः 31.03.2025 है। जिला पदाधिकारी, बाँका द्वारा प्रतीक्षा सूची में छूटे हुए योग्य लाभुकों / आवास विहीन लाभुकों का आवास एप 2024 पर नाम जोड़ने के लिए भी निदेश दिये गये कि व्यापक रूप से सर्वेक्षण के कार्य का प्रचार-प्रसार दिनांक- 25.01.2025 तक पूर्ण कर लिया जाय। प्रचार-प्रसार के क्रम में इस आशय की सूचना दी जाय कि लाभुक का नाम जोड़ने का कार्य निःशुल्क किया जा रहा है, किसी भी बिचौलियों के झाँसे में नहीं आये, पक्के मकान वाले व्यक्ति का नाम नहीं जोड़ा जाय। नाम जोड़ने के क्रम में पैसे लेने वाले बिचौलियों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। बिचौलिया के शिकायत की सूचना जिला के टोल फ्री नं०-पर की जायेगी। प्रतीक्षा सूची में छूटे हुए योग्य लाभुकों / आवास विहीन लाभुकों का आवास एप 2024 पर नाम जोड़ने के लिए प्रत्येक पंचायत स्तर पर कैम्प लगायेगें उक्त कैम्प में ग्रामीण आवास सहायक, पंचायत रोजगार सेवक, किसान सलाहकार, विकास मित्र, टोला सेवक, कार्यपालक सहायक (पं०) उपस्थित रहेगें. साथ ही, कैम्प में जनप्रतिनिधि यथा सभी वार्ड सदस्य,पंच, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, मुखिया को उपस्थपित रहने हेतु आमंत्रित करने का कार्य प्रखंड विकास पदाधिकारी, बाँका जिला को दिया गया। जिला पदाधिकारी, बाँका द्वारा उद्योग स्थापित करने के निमित्त सभी अंचल अधिकारी बाँका जिला को प्रत्येक अंचल में कम से कम 250 एकड़ से 300 एकड़ तक भूमि का प्रस्ताव सर्वोच्च प्राथमिकता तय करते हुए अविलंब उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। अंचल अधिकारी, बाराहाट को पावरग्रीड के बगल में, अंचल अधिकारी, बौंसी को एन एच/एस एच के बगल में, अंचल अधिकारी, चान्दन को दर्दमारा बार्डर के पास जमीन उपलब्ध कराना है। अंचल अधिकारी, बेलहर एवं कटोरिया को वन विभाग हेतु जमीन उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया।अंचल अधिकारी, बाँका को कोर्ट हेतु जमीन उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। बाँका जिला अन्तर्गत वर्तमान में 08 प्रखंडों के कुल 23 ग्राम पंचायतों में पंचायत सरकार भवन निर्माण हेतु भूमि की खोज की जा रही है। इसके लिए जिला पदाधिकारी, बाँका द्वारा अंचल अधिकारी, धौरेया, रजौन, बाँका, अमरपुर, शंभूगंज, बेलहर, चांदन एव बौंसी को निदेश दिया गया कि एक सप्ताह के अन्दर पंचायत सरकार भवन निर्माण हेतु मानक के अनुरूप भूमि का चयन कर जिला पंचायत राज पदाधिकारी, बाँका को उपलब्ध कराये। साथ ही , जिन पंचायत सरकार भवन का निर्माण दान की भूमि पर किया जाना है। उसका मानक के अनुरूप नियमानुसार प्रस्ताव अविलंब उपलब्ध कराने हेतु संबंधित अंचल अधिकारी को निदेशित किया गया। जिला परिषद, बाँका अन्तर्गत 15 वीं वित्त आयोग एवं पष्टम् राज्य वित्त आयोग से ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति से कार्यान्वित योजनाओं का नियमानुसार भुगतान करने का निदेश सभी कार्यपालक पदाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी, बाँका जिला को दिया गया है। उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बाँका द्वारा जिला परिषद, बाँका की स्वामित्व वाली भूमि का दाखिल-खारिज करने एवं जमाबंदी कायम कराने संबंधी मामले को जिला पदाधिकारी के समक्ष रखा गया। इस पर जिला पदाधिकारी, बाँका द्वारा सभी अंचल अधिकारी, बाँका जिला को जिला परिषद, बाँका की स्वामित्व वाली भूमि का दाखिल-खारिज करने एवं जमाबंदी कायम कराने हेतु निदेशित किया गया। जिला परिषद, बाँका के द्वारा प्रखंड-बेलहर के बहोरना,प्रखंड-बाँका के ढाकामोड़,प्रखंड-फुल्लीडुमर के खेसर,प्रखंड-रजौन के बाबरचक, प्रखंड-शंभूगंज के लखाबसबिटटा में निमित्त होने वाले स्वास्थ्य उपकेन्द्र को 26 जनवरी 2025 के पूर्व निर्मित करने का निदेश जिला पदाधिकारी, बाँका द्वारा दिया गया। आँगनबाड़ी केन्द्रों पर पेयजल एवं शौचालय की उपलब्धता की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी, बाँका द्वारा अंचल अधिकारी,बेलहर,धौरेया, बाँका,रजौन,अमरपुर,एवं चान्दन को निदेश दिया गया कि आँगनबाड़ी केन्द्रों पर निर्माणाधीन / निर्मित होने वाले शौचालय का स्थल निरीक्षण कर विवाद का निष्पादन करते हुए दिनांक-16.01.2025 के पूर्व अचूक रूप से शौचालय का निर्माण करना सुनिश्चित करें। साथ ही सभी आँगनबाड़ी केन्द्रों पर पेयजल की उपलब्धता हेतु कार्यपालक अभियंता,पी०एच०ई०डी०,बाँका को निदेशित किया गया है।

एक नज़र इधर भी

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को कुचला, दर्दनाक मौत

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिले के रजौन प्रखंड अंतर्गत डीएन सिंह महाविद्यालय के सामने भागलपुर-हंसडीहा पर सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि तीन लोग जख्मी हो गए. मृतक राजू मेहतर (30 वर्ष) रजौन प्रखंड के नवादा बाजार निवासी तेतर मेहतर का पुत्र था, जबकि जख्मी की पहचान मृतक के भाई लक्ष्मण मेहतर के अलावे एक अन्य बाइक पर सवार दिनकर कुमार एवं आशा कार्यकर्ता हेमलता कुमारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार नवादा बाजार निवासी राजू मेहतर अपने भाई लक्ष्मण मेहतर के साथ बाइक पर सवार होकर भागलपुर-हंसडीहा मुख्य सड़क मार्ग होकर बांका जा रहा था, इस दौरान स्थानीय डीएन सिंह महाविद्यालय के समीप बाइक को पीछे से एक तेज रफ्तार से आ रही ट्रक ने टक्कर मार दी, दोनों युवक बाइक सहित बगल में जा गिरा। इधर सड़क पर गिरते ही राजू मेहतर को उक्त अज्ञात ट्रक ने कुचल दिया, इसके बाद चालक अपनी वाहन को लेकर भाग निकला। इस दौरान पीछे से आ रही एक बाइक भी इस सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया, बाइक ने आगे-आगे चल रही दुर्घटनाग्रस्त बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार दिनकर कुमार और आशा कार्यकर्ता हेमलता कुमारी भी जख्मी हो गईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को अपने कब्जे में लेते हुए तीनों जख्मी को रजौन सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद भागलपुर मायागंज रेफर कर दिया है। थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए बांका भेजा जा रहा है।

बांका जिले में बढ़े 37 हजार 598 नये मतदाता.. देखें रिपोर्ट

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के क्रम में 29 अक्टूबर से 28 नवंबर तक दावा आपत्ति प्राप्त किया गया। 7 जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया। पुनरीक्षण अवधि में कुल 15250 पुरुष मतदाता एवं 29213 महिला मतदाता का नाम जोड़ा गया। ज्ञात हो कि प्रारूप प्रकाशन के समय पुरुष मतदाता की संख्या बांका जिला में 793434 थी जोकि अंतिम प्रकाशन 803751 हो गई। इसी प्रकार महिला मतदाता की संख्या 706480 थी, जो कि अंतिम प्रकाशन के समय बढ़कर 733761 हो गई। इस प्रकार कुल 37598 नए मतदाता जोड़े गए। जिला का लिंगानुपात जो पूर्व में 890 था वो विशेष अभियान के द्वारा बढ़कर 913 हो गया। लिंगानुपात में सबसे अधिक बढ़ोतरी अमरपुर विधान सभा में हुई। यहां पहले लिंगानुपात 872 था, जो कि बढ़कर 902 हो गया। सबसे अधिक लिंगानुपात कटोरिया एवं बेलहर विधानसभा में है। पूर्व में जिले में कुल मतदाता 1499918 थे, जो कि पुनरीक्षण अवधि के बाद बढ़कर 1537516 हो गये। इस प्रकार 37598 नए मतदाता जोड़े गए. सबसे अधिक मतदाता बेलहर विधानसभा में बढ़े एवं सबसे कम मतदाता कटोरिया विधानसभा में बढ़े है।

निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन एवं अन्य विवादित स्थलों का किया गया निरीक्षण

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। जिला पंचायत राज पदाधिकारी, बांका द्वारा ग्राम पंचायत बभनगामा प्रखंड बौंसी में बन रहे निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन एवं अन्य विवादित स्थलों का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, बौंसी, अंचल अधिकारी,बौंसी सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

भूमि विवाद निपटारा को लेकर थाने में लगा जनता दरबार शिविर

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका। जिलाधिकारी अंशुल कुमार के निर्देश पर भूमि विवाद निपटारा से संबंधित लगातार चलाए जा रहे हैं जनता दरबार शिविर के तहत चांदन अंचल अधिकारी रविकांत कुमार सिंह के नेतृत्व में राजस्व कर्मचारी झुंझुनू कुमार एवं आनंदपुर थाना अध्यक्ष विभिन्न कुमार द्वारा शनिवार 11 जनवरी को थाना परिसर में भूमि विवाद निपटारा से संबंधित जनता दरबार शिविर लगाया गया। जनता दरबार शिविर में दो अलग-अलग भूमि विवाद निपटारा को लेकर मामला दर्ज की गई। इस बाबत राजस्व कर्मचारी झुनझुन कुमार ने बताया कि दर्ज भूमि विवाद मामले को गंभीरता पूर्वक अवलोकन किया गया है। विवाद निपटारा को लेकर विपक्षी पार्टी को नोटिस भेज कर अगले शनिवार को विवाद से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया है। वहीं दूसरी ओर चांदन थाना में नया दो मामलों दर्ज किया गया जिसमें एक मामला ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया और दूसरे मामले में कर्मचारी जांच का आदेश दिया गया। सुइया थाना में तीन मामला दर्ज किया गया, जिसमें दो मामले को ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया और एक मामला को पेंडिंग रखते हुए अगले शनिवार को सुनवाई करने कि बात कही। मौके सम्बंधित थाना पुलिस एवं फरियादी मौजूद थे।

आत्ममूल्यांकन और आत्मसम्मान के दिशा में किशोर-किशोरियों को किया गया जागरूक

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। महिला एवं बाल विकास निगम एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को प्रथम संस्था द्वारा संचालित उड़ान परियोजना अंतर्गत सदर प्रखंड बाँका में स्कूली बच्चों के साथ प्रोन्नत मध्य विद्यालय देवदा में बच्चों के साथ स्वाभिमान और सकारात्मक शारीरिक छवि विषय पर एक प्रेरणादायक सत्र का आयोजन 60 से ज्यादा छात्र , छात्राओं के साथ किया गया । इस मौके पर उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक पंकज कुमार ने प्रतिभागियों को बताया के इस सत्र का उद्देश्य किशोर किशोरियों के आत्मविश्वास को बढ़ाना, अपने शरीर के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना, और समाज में प्रचलित अवास्तविक सौंदर्य मानकों से मुक्त होने के लिए प्रेरित करना था। स्वाभिमान की परिभाषा और महत्व के बारे में कहा कि यह हमारे खुद के प्रति विश्वास और सम्मान की भावना है। जीवन में स्वाभिमान के महत्व पर चर्चा की गई और इसे बढ़ाने के व्यावहारिक तरीके बताए गए। सकारात्मक शारीरिक छवि के विचार को समझाते हुए बताया गया कि हर शरीर सुंदर है और हर व्यक्ति को अपने शरीर को बिना किसी तुलना के स्वीकार करना चाहिए। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जिन्होंने अपने प्लेटफॉर्म का उपयोग सकारात्मक शारीरिक छवि और आत्म-स्वीकृति को बढ़ावा देने के लिए किया, उनके अनुभव साझा किए गए। सोशल मीडिया का प्रभाव किशोरियों को समझाया गया कि सोशल मीडिया पर दिखने वाले सौंदर्य मानक अक्सर अवास्तविक होते हैं। सकारात्मक सामग्री का चयन करने और खुद की तुलना करने से बचने पर जोर दिया गया। इंटरएक्टिव सत्र पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और स्वाभिमान और सकारात्मक शारीरिक छवि पर अपने विचार प्रकट किए। सत्र के दौरान विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा गतिविधियां कराई गईं, जिनका उद्देश्य स्वाभिमान, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच को बढ़ाना था इस कार्यक्रम में उपस्थित महिला एवं बाल विकास निगम जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के जिला मिशन समन्वयक ने जिला प्रशासन बाँका के निदेशानुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या , दहेज प्रथा जैसे कुप्रथाओं को खत्म करने में सहयोग की अपील की गई तथा अपने घर, आस पास में हो रहे हिंसा को पहचानने तथा उसके विरूद्ध आवाज उठाने को लेकर चर्चा कि गई। इसके उपरान्त समाज में हो रहे विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं यथा कन्या उत्थान योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना इत्यादि के बारे चर्चा कि गई एवं लोगो को महिलाओं के प्रति हो रहे हिंसा को लेकर बताया गया कि अब सहेंगे नहीं कहेंगे। इसके लिए सरकार के टॉल फ्री नंबर 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन और 181 महिला हेल्पलाइन पर शिकायत की जा सकती है। पुनः मिशन समन्वयक निगम द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं यथा ओ एस सी, डी एच ई डब्लू , अल्पावास, सामाजिक पुनर्वास कोष इत्यादि के बारे विस्तार से जानकारी दी गई।

मंदार खेल महोत्सव 2025 के तीसरे दिन क्रिकेट मैच का किया गया उद्घाटन

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। मंदार खेल महोत्सव 2025 का शनिवार को तीसरा दिन क्रिकेट मैच का उद्घाटन जिला खेल पदाधिकारी बबन कुमार, जिला उद्योग पदाधिकारी , एवं नगर पंचायत अध्यक्ष कोमल भारती ने किया। पहला मैच एमएमसी बौंसी और ककवारा बांका के बीच हुआ जिसमे टॉस जीत कर निर्धारित पंद्रह ओवर में ककवारा ने बैटिंग करते हुए पांच विकेट खो कर 105 रन बनाया। दूसरे पाली में एम एम सी बौंसी ने चार विकेट खो कर 106 रन बना कर चौदह ओवर में जीत हासिल किया।

वही दूसरे मैच कृषांग क्वांटम बांका ने टॉस जीत कर बैटिंग करते हुए छह विकेट खोकर निर्धारित 12 ओवर में 101 रन बनाया ,वहीं दूसरे पाली में मनियारपुर बौंसी ने 12 ओवर खेल कर 77 रन ही बना पाया। जिसमें टीम का आठ विकेट आउट हुआ। इस तरह कृषांग क्वांटन ने 24 रन से मैच जीत लिया। निर्णायक प्रमोद राय, हिमांशु सिंह,अमित सिंह और चंदन चौधरी ने मैच संपन्न कराया। जिला खेल पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि कल पहला मैच मधुमति, बांका और दुर्गा सपोर्टिंग क्लब बाराहाट एवं दूसरा मैच महादेव बांका और डहुआ बौंसी के बीच होना है। स्कोरर के रूप में अंशु राज कमेंट्री विकास और कुंदन ने किया। मौके पर प्रदीप कुमार चंदन कुमार, पंकज कुमार, हरीश गांगुली, मोनू रंजन, रोहित कुमार और गौरव उपस्थित थे।

मंदार महोत्सव 2025 की तैयारियों एवं विधि व्यवस्था से संबंधित बैठक की गयी आयोजित

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी, बांका की अध्यक्षता में मंदार महोत्सव 2025 के तैयारियों एवं विधि व्यवस्था से संबंधित बैठक समाहरणालय के मिनी सभागार में आयोजित किया गया। बैठक में खेल पदाधिकारी से मंदार महोत्सव के दौरान होने वाले प्रतियोगिताओं से संबंधित जानकारी ली गई। इसके साथ-साथ पर्यटन प्रभारी पदाधिकारी पर्यटन शाखा से मंदार महोत्सव के दौरान किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। बैठक में सभी विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे। मेला में पेयजल, विद्युत आपूर्ति, यातायात व्यवस्था सहित सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

राम लला कि प्राण प्रतिष्ठा पर समारोह वर्ष गांठ मनाई

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर 11 जनवरी 2025 शनिवार को सुईया बजरंगवली के मंदिर के प्रांगण में संध्या 5: 30 बजे से भजन कीर्तन एवं महाप्रसाद में खीर का आयोजन किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष रामरंजन कुमार उर्फ गोलू बरनवाल,उप प्रमुख दिनेस प्रसाद सिंह,पूर्व मुखिया ब्रह्मानंद दास उर्फ़ राम जी, शिवम् बरनवाल,आनंद भगत, बिक्की बरनवाल,अखिल भारती, सुमित भगत, चंद्रशेखर गुप्ता, अजय कुमार, ऋषि कुमार,ऋतिक कुमार, सुजल कुमार,सोनू मिश्रा,विपुल कुमार,नीतीश कुमार,संतोष,कुमार इत्यादि राम भक्त उपस्थित थे।

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जप्त

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा के आदेशानुसार अवैध बालू कारोबारियों के खिलाफ चलाए जा रहे छापेमारी अभियान के तहत आनन्दपुर थानाध्यक्ष विपिन कुमार आदि पुलिस बलों के सहयोग से बीते मध्य रात्रि शुक्रवार को गुप्त सूचना के आधार कुरुमटांड गांव के समीप नदी से आंशिक रूप से एक अवैध बालू लदा JH15G2490 नम्बर ट्रैक्टर जप्त किया। इस संदर्भ में आनन्दपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया कि सुचना मिली, कुरुमटांड नदी में ट्रैक्टर से अवैध बालू उठाव कि जा रही है। सुचना मिलते ही त्वरित संज्ञान में लिया और एक लाल रंग ट्रेक्टर जप्त किया गया है।जबकि इस छापेमारी में पुलिस का वाहन देख बालू कारोबारी एवं ट्रैक्टर चालक गाड़ी छोड़ कर भागने में सफल हो गया है। जप्त ट्रैक्टर रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर अग्रिम कार्रवाई कि जा रही है।

पूर्व छात्रों के द्वारा मनाई गई स्वामी विवेकानंद की जयंती

दैनिक बिहार पत्रिका/ब्यूरो रिपोर्ट

बौंसी/बांका। परमेश्वर लाल खेमका सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बौंसी में पूर्व छात्रों के द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व छात्र संयोजक ज्वलित चेतन तथा सह संयोजक अतिकांत सिन्हा के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर पूर्व छात्रों की बैठक आहूत की गई जिसमें स्वामी विवेकानंद के जीवनी पर पूर्व छात्रों ने प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य झुन्नू तिवारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस के अवसर पर पांच पूर्व छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर ज्वलित चेतन, अतिकांत सिन्हा, अनुराग कुमार, अमीषा कुमारी, शालू कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम प्रमुख सुनीता कुमारी सह प्रमुख बासुकी प्रसाद साह के द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया।

चांदन अस्पताल में शिशु चिकित्सक के अभाव में नवजात शिशु कि गई जान

प्रसूता वार्ड में तैनात ए एन एम कि लापरवाही का आरोप

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। बांका जिले के समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांदन में शुक्रवार देर रात करीब 2:00 बजे एक बच्चे की मौत हो गई है। इसके बाद अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। नवजात बच्चा की मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है. परिजन का आरोप है कि डॉक्टर हॉस्पिटल में मौजूद ही नहीं थे, जिस कारण ये घटना हुई है. बताया जा रहा है कि चांदन थाना क्षेत्र के कुसुमजोरी गांव शंकर पोद्दार की पत्नी सुमा देवी प्रेग्नेंट महिला थी। प्रसव पीड़ा होने के बाद आशा रेखा देवी के माध्यम से एम्बुलेंस बुला कर अस्पताल भेज दी कारण उस दहगिलवा और सौतारी गांव आ आई चल रही थी, जहां आशा को रहना जरूरी था। जानकारी के अनुसार प्रसूता सुमा देवी को 10 साल के बाद शुक्रवार दिन के 10:00 बजे पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी। इसके बाद पूरा परिवार खुशी के मारे फुले नहीं समा रहे थे. मृतक के पिता शंकर पोद्दार ने बताया कि जन्म के बाद बच्चे का किसी भी डॉक्टर के द्वारा जांच पड़ताल नहीं किया गया, जबकि आशा कार्यकर्ता रेखा देवी प्रभारी चिकित्सक डॉक्टर आशिष कुमार को फोन पर बच्चा की स्थिति बिगड़ने की जानकारी देते रहे,लेकिन ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर समय पर देख भाल नहीं किए, और अपने बंद कमरे में सोये हुए थे। जिस कारण बच्चे कि हालत बिगड़ते चला गया अंत में शुक्रवार को ही देर रात करीब 2:00 बजे बच्चों ने अंतिम सांस ली. अस्पताल प्रबंधन कि इस तरह लापरवाही से क्षेत्रवासी आरोप लगाता रहा है कि अस्पताल की स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है. इससे मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इस संदर्भ में चिकित्सा प्रभारी डॉ आशिष कुमार ने बताया कि,बच्चे कि स्थिति ठीक नहीं था। बेहतर इलाज हेतु उसे दिन में रेफर कर दिया गया था। बावजूद अभिभावक नहीं गया और मेडिकल से पाउडर दूध लाकर पिला देने से एस्पायरेट का शिकार हो गया। परिजन द्वारा लगाया गया आप सभी बेबुनियाद है। अस्पताल में भर्ती मरीजों बेहतर सेवा देने के लिए शिशु चिकित्सक के अलावा प्रयाप्त साधन मौजूद है। इधर कलेजे के टुकड़ा बच्चा की मौत होने कि गम में प्रसूता सुमा देवी कि दोनों आंखें कि रोशनी चली जाने कि बात बताई जा रही है।

आग तापने को लेकर हुए विवाद में एक महिला सहित छात्र जख्मी

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। आनन्दपुर थाना क्षेत्र पुर्वी कटसकरा पंचायत अंतर्गत मंझलाटीला में पुराने रंजिश में आग तापने को लेकर दो पक्ष अपने गोतिनी के साथ जम कर मारपीट हो गई। मार-पीट के क्रम में एक पक्ष से मां और बेटी घायल हो गई। इस संदर्भ में जख्मी महिला मसीना बीबी पति कमाल अंसारी ने आंनदपुर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई करने कि मांग कि है। आवेदन में बताई कि मैं शनिवार सुबह घर के पास आग जला कर ताप रही थी। तभी गोतनी शबनम बीबी पति अनवर मियां ने आग में पानी डालकर बुझा दी, और मार-पीट करने लगी, तभी मेरी बेटी असमिना खातून बीच बचाव के लिए दौड़ कर आई तो उसे भी मारपीट कर दांत से अंगुली काट जख्मी कर दी है। फिलहाल प्राप्त आवेदन पर आनन्दपुर थाना पुलिस द्वारा दोषी के खिलाफ कार्रवाई करने का भरोसा दिया है।

एक नज़र इधर भी

कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी में नियुक्तिः साक्षात्कार के लिए उमड़ी भीड़

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी में विभिन्न पदों की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया गया है। जिला परिषद मार्केट स्थित संस्था के जिला कार्यालय में सैकड़ों अभ्यर्थी अपने सपनों को साकार करने के लिए पहुंचे और साक्षात्कार दिया है। यह संस्था महिला सशक्तिकरण, गरीब कन्याओं के विवाह और अन्य सामाजिक कार्यों के लिए जानी जाती है। झारखंड समेत देश के कई राज्यों में यह संस्था सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। संस्था के सचिव विकास माली ने बताया कि जिला प्रबंधक, प्रखंड प्रबंधक, वार्ड सर्वेयर, कंप्यूटर ऑपरेटर जैसे पदों पर कुशल और योग्य व्यक्तियों की जरूरत है। साक्षात्कार के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों को पहले 19 फरवरी तक ट्रेनिंग दी जाएगी। इस दौरान अच्छे प्रदर्शन करने वाले उम्मीदवारों को परमानेंट नियुक्ति दी जाएगी।इस साक्षात्कार कार्यक्रम के दौरान सचिव विकास माली के साथ अयूब खान उर्फ बबन, रंजीत, टिंकू पांडेय समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे हैं।

भगवान राम के चरणों में अपनी प्रार्थना अर्पित देशवासियों के कल्याण, प्रगति और समृद्धि की कामना की:डॉ मनीष पंकज मिश्रा

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जिला भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के द्वाराअयोध्या में भगवान श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा का प्रथम स्थापना दिवस भारतीय जनमानस के लिए एक ऐतिहासिक एवं अद्भुत क्षण है। इस शुभ अवसर पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के सह प्रभारी डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने भगवान राम लला को चरण वंदन करते हुए अपनी श्रद्धा प्रकट की है।डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने इस दिन को धार्मिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में वर्णित किया गया है। उन्होंने भगवान राम की मर्यादा, धर्म और सत्य की स्थापना में उनकी भूमिका को स्मरण करते हुए कहा कि यह दिवस न केवल भारतीय संस्कृति की महानता को दर्शाता है, बल्कि हर भारतीय को अपने कर्तव्यों और आदर्शों का पालन करने के लिए प्रेरित करता है भगवान राम के चरणों में अपनी प्रार्थना अर्पित की और देशवासियों के कल्याण, प्रगति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि राम लला के मंदिर का निर्माण हर भारतीय के गौरव का विषय है और इससे न केवल हमारी आध्यात्मिक धरोहर सशक्त होगी, बल्कि विश्व को भी हमारी संस्कृति का संदेश मिलेगा। इस अवसर पर अयोध्या को धर्म, संस्कृति और विकास के आदर्श स्वरूप के रूप में विकसित करने की दिशा में हो रहे प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच उन्होंने किसान वर्ग के कल्याण के लिए भगवान राम से आशीर्वाद मांगा और यह विश्वास व्यक्त किया कि भगवान राम का आशीर्वाद देश को हर संकट से उबारकर नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। चरण वंदन और प्रेरणादायक विचार इस पावन दिवस को और भी स्मरणीय बना गए। यह दिन हर भारतीय के लिए गर्व और आस्था का प्रतीक बनकर हमेशा स्मरणीय रहेगा।

पूर्व सांसद,पूर्व मंत्री श्री आलोक मेहता जी को बेवजह किया जा रहा परेशानः बीरेन्द्र गोप

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश महासचिव सह प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी महासभा बिहार एड०बीरेन्द्र कुमार उर्फ बीरेन्द्र गोप ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री आलोक मेहता को केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा बेवजह परेशान किया जा रहा है। बीरेन्द्र गोप ने कहा कि जिस केश में आलोक मेहता जी के घर ईडी का रेड पड़ा है उस केश के एफआईआर में इनका नाम ही नहीं है। इन्होंने 2012 में ही अपने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था जबकि गबन का मामला 2021-2023 के बीच का है। गोप ने कहा कि जिस प्रकार केन्द्र सरकार के इशारे पर आईआरसीटीसी के मामले में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव को जबरदस्ती घसीटा गया उसी का पुनरावितृ आलोक मेहता जी के साथ किया जा रहा है। सही मायने मे कहा जाय तो जो मोदी शरणं गच्छामि नहीं हुए उन्हें किसी न किसी तरह से प्रताड़ित करने कि अभियान चलाई जा रही है। एक तरफ केन्द्र सरकार द्वारा विपक्षी नेताओं को परेशान किया जा रहा है तो दूसरे तरफ केन्द्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले मीडिया के लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है,उसी कड़ी में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नेशनल दस्तक का खाता बिना कारण बताए हुए फ्रीज कर दिया गया है। बीरेन्द्र गोप ने कहा कि केन्द्र सरकार जितना भी हथकंडा अपना लें आलोक मेहता भारत के नेल्सन मंडेला लालू प्रसाद यादव जी एवं भारत लेनिन अमर शहीद जगदेव बाबू के अनुयायी हैं वे न डरने वाले हैं और न ही झुकने वाले हैं। वीरेन्द्र गोप ने कहा कि अगर इसी तरह विपक्षी नेताओं को परेशान किया जाता रहा तो ओबीसी महासभा बिहार एवं राष्ट्रीय जनता दल बिहार सड़क से संसद तक इसका प्रतिकार करेगी।

पैक्स अध्यक्षों को उपेंद्र कुशवाहा ने किया सम्मानित

दैनिक बिहार पत्रिका

डेहरी/रोहतास। राज्य व केंद्र की सरकार ने पैक्स अध्यक्षों को जो सम्मान और कार्य के लिए सुविधाएं दी है, वह पहले की सरकारों द्वारा नहीं दिया जाता था। पैक्स के आधुनिकीकरण को लेकर भी सरकार लगातार कई बड़े कदम उठा रही है। हम अपने स्तर पर भी पैक्सों को मजबूत व सुदृढ़ बनाने के लिए कार्य करते रहेंगे। उक्त बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री सह राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा ने शनिवार को बाबूगंज स्थित राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रदेश महासचिव रिंकू सोनी के आवास पर पैक्स अध्यक्षों के सम्मान समारोह के संबोधन में कहीं। उन्होंने कहा कि भारत गांव का देश है, और पैक्स के आधुनिकीकरण से गांव के किसानों को इसका लाभ मिलता है। आने वाले दिनों में सभी पैक्सों को और भी बेहतर और सुविधा बनाने के लिए सरकार काम कर रही है। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर पैक्स या पंचायत प्रतिनिधि सबके लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। प्रदेश महासचिव रिंकू सोनी ने कहा कि सभी पंचायत प्रतिनिधियों व पैक्स अध्यक्षों का सहयोग और सम्मान जो मिलता रहा है, उसे वह कदापि नहीं भूलेंगे। डेहरी विधानसभा की जनता का सेवा वह अनवरत करते रहेंगे। इस दौरान सैकड़ो लोगों ने डेहरी विधानसभा का नेता कैसा हो, रिंकू सोनी जैसा हो, जैसे गगनभेदी नारा लगाए। लोगों ने कहा कि यदि एनडीए से रिंकू सोनी को टिकट मिलता है, तो ऐतिहासिक जीत होगी। सम्मान समारोह में अकोढीगोला प्रखंड क्षेत्र के कुल 11 और डेहरी प्रखंड के कुल 13 पंचायत के पैक्स अध्यक्ष सदस्यों ने भाग लिया। सम्मान समारोह में राष्ट्रीय लोक मोर्चा नगर अध्यक्ष सुरेंद्र ठाकुर, सत्येंद्र कुशवाहा, हरेश कुशवाहा, जयप्रकाश कश्यप, पैक्स अध्यक्ष अजात शत्रु, कृष्ण कुमार, वीरेंद्र गुप्ता, नीरज कुमार, वीरेंद्र सिंह समेत सभी पैक्स अध्यक्ष व नगर परिषद के अधिकांश वार्ड पार्षद मौजूद थे।

भगवान राम के प्राण-प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूरे, जगह-जगह जले खुशी के दीए

उगना-महादेव मंदिर में जलाए गए 1551 दीप, मनाई खुशी

दैनिक बिहार पत्रिका

विद्यापतिनगर। गत वर्ष अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण व मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की प्रतिमा स्थापना व प्राण-प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूरे होने पर शनिवार को प्रखंड क्षेत्र में हर्ष और उत्साह के साथ लोगों ने अपने घरों एवं मंदिरों में दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर प्रखंड अंतर्गत सभी मुख्य मंदिरों और मठों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मुख्य कार्यक्रम प्रखंड मुख्यालय स्थित उगना-महादेव मंदिर में आयोजित की गई, जहां सैकड़ों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के द्वारा 1551 दीप प्रज्वलित कर खुशियां मनाई गई। श्रद्धा के दीप जगमगाते ही पूरा मंदिर परिसर राम मय हो उठा। इस अवसर पर पूरा वातावरण जय श्री राम के उद्घोष से गूंजायमान हो उठा। इस अवसर पर संपूर्ण मंदिर को रंग-बिरंगे बल्बों से सजा कर जगह-जगह भगवा पताका लगाया गया था। इसके अलावा मऊ बाजार स्थित लक्ष्मी-नारायण मंदिर, पुरानी दुर्गा मंदिर, संकटमोचन हनुमान मंदिर आदि स्थानों पर भी दीप प्रज्वलित कर खुशियां मनाई गई। मौके पर सतीष गिरि, बादल सिंह चौहान, मानस कुमार , श्रीजय कुमार, विक्की कुमार, प्रवीण कुमार गिरि, अमन सिंह, शुभम सिंह, शशि प्रकाश भट्ट, ज्ञानदीप कुमार, पुकार गिरि,सहित अन्य युवा शामिल थे।

पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण डायट रामगंज संसारपुर खगड़िया में संपन्न

दैनिक बिहार पत्रिका

जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान, डायट, रामगंज, संसारपुर खगड़िया में 5 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आज संपन्न हो गया। डायट रामगंज संसारपुर खगड़िया के प्राचार्य मनोज कुमार यादव ने प्रशिक्षु शिक्षक सिद्धार्थ कुमार को प्रमाण पत्र देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य मनोज कुमार यादव ने बताया कि पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में बिहार सरकार समग्र शिक्षा एवं परियोजना निदेशक का धन्यवाद किया और कहा कि पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में जिला के 6 से 8 वीं कक्षाओं के शिक्षण करवाने वाले अध्यापकों की क्षमता निर्माण को मजबूत किया गया। राज्य साधनसेवी डॉक्टर विक्रांत भास्कर ने बताया कि शिक्षा के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निहित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मॉड्यूल तैयार किया गया ताकि अध्यापकों के संबंधित विषयों को रोचक एवं गतिविधि के आधार पर छात्रों के साथ साझा किया जा सके। प्रशिक्षु शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों की चिंतन शक्ति को विकसित करना उद्देश्य है। शिक्षण प्रशिक्षण में शिक्षकों को नए तरीके से सीखने का मौका मिलता है। इससे छात्रों को बेहतर तरीके से पढ़ा सकते हैं। प्रशिक्षु शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण से शिक्षकों को आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने छात्रों के साथ बेहतर तरीके से जुड़ जाते हैं। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने यह भी बताया कि प्रशिक्षण से शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण और कक्षा प्रबंधन कौशल का मौका मिलता है। मौके पर प्राचार्य मनोज कुमार यादव , वरीय व्याख्याता मोहम्मद औरंगजेब, व्याख्याता अर्चना कुमारी, सोनू कुमार, विश्वामोहन राकेश, डॉक्टर विक्रांत भास्कर, पंकज कुमार पंडित, निभा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, धर्मनारायण तांती, प्रशिक्षण प्रभारी वीरेंद्र कुमार, मधु श्री, तेजनारायण कुमारी, प्रशिक्षु सिद्धार्थ कुमार, गिरधारी कुमार, रेखा सिंह, रोमा भारती और सभी प्रशिक्षु मौजूद थे

राजद राजनीतिक पार्टी नहीं, प्राइवेट लिमिटेड कंपनी हैः गिरिराज

पटना (एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आज यहां लालू यादव द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री उम्मीदवार प्रोजेक्ट करने पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि राजद राजनीतिक पार्टी नहीं, प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है। गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव की राजनीतिक पार्टी राजद है, उसके वे चेयरमैन हैं, जिसे कंपनी में सीएमडी कहते हैं। इस तरह लालू यादव की पार्टी राजद पार्टी नहीं, प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है। प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सीएमडी लालू यादव हैं। जैसे रतन टाटा ने किसी को नियुक्त किया था, उसी तरह इन्होंने भी नियुक्त किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जंगल राज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने नए एमडी का अपॉइंटमेंट किया है तेजस्वी यादव के रूप में। यह कोई बड़ी बात नहीं है। बिहार में सब यादव बेकार हैं। एकमात्र लालू प्रसाद यादव के परिवार में ही योग्यता है। इसलिए उन्होंने ऐसा किया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है परिवारवाद, पराकाष्ठा है।

आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद के महाकुंभ में पापी लोगों के आने की बात कहने पर भी गिरिराज सिंह ने जोरदार तंज कसा। गिरिराज ने कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि वोट के ठेकेदार मुसलमानों का वोट पाने के लिए बयान दे रहे हैं। चाहे अखिलेश यादव की पार्टी हो, चाहे लालू यादव की पार्टी हो या राहुल गांधी की पार्टी हो, कुंभ के माध्यम से मुसलमानों को खुश करना चाहते हैं। गिरिराज ने कहा कि कुंभ में हिंदुओं को गाली देकर मुसलमानों का वोट बटोरना चाहते हैं और ऐसे ही लोगों के कारण देश अंजाम भुगत चुका है। पहले भी इतिहास लोगों को मालूम है कि नादिर शाह कैसे आया था लेकिन हिंदुओं और सनातनियों की संस्कृति इतनी मजबूत है कि जितना इस पर अटैक करेंगे, उतना ही मजबूत होगा। जिसको जितना गाली देना है हिंदुओं को गाली दे, मैं तो कहूंगा भारत के सनातनियों से कि अब समय आ गया है भारत के सनातनी और हिंदू अब एक हो, नहीं तो यह वोट के सौदागर..बंटोगे तो कटोगे करेंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा भाजपा को गाली देने वालों को सीएम प्रोजेक्ट करने की बात कहे जाने पर उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इसकी चिंता क्यों करती है। आआपा में सारे भ्रष्टाचारियों की जमात खड़ी है। अरविंद केजरीवाल पत्नी को प्रोजेक्ट करना चाहते हैं और बिहारी को, पूर्वांचलों को गाली दे रहे हैं, इस बार पता चल जाएगा। बांग्लादेशी और रोहिंग्या को यह वोट बैंक बनाकर जीतना चाहते हैं। भारतीय जनता पार्टी रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को सत्ता में आने के बाद इसके खिलाफ जिस काम को शुरू किया है, उसे पूरा करेगी।

आवास योजना के सर्वे कार्य में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी बीडीओ अभिनव कुमार

दैनिक बिहार पत्रिका

त्रिवेणीगंज/सुपौल । प्रखंड क्षेत्रों मेंआवासविहीन व वंचित परिवारों का ,प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे कार्य शुरू हो गई है इस संबंध में त्रिवेणीगंज बीडीओ अभिनव कुमार ने कहा कि 10 जनवरी से 31 मार्च तक सर्वे कार्य करना है। गाइडलाइन के अनुसार आवासविहीन व वंचित परिवारों को चिह्नित कर सूची तैयार करनी है। आवश्यक कागजात के साथ निर्धारित फॉर्म भर कर निर्धारित समय पर कार्य को पूरा करना है। बीडीओ अभिनव कुमार ने बताया कि वर्ष 2018 में भी आवास योजना का सर्वे कराया गया था. इस सर्वे में जितने आवासविहीन लाभुक को चिन्हित किया गया था, लगभग 50% लाभुकों को आवास दिया जा चुका है, शेष लाभुकों की आवास दिलाने की प्रक्रिया जारी है,सात वर्ष बाद वर्ष 2025 में एक बार फिर से नये आवासविहीन लाभुकों को चिन्हित करने के लिए सर्वे किया जा रहा है सर्वे के लिए प्रत्येक पंचायत गांव टोला मुहल्ला में आवास घर-घर जाकर करेंगे, बीडीओ ने प्रखंड के तमाम जनप्रतिनिधियों आग्रह किया की कोई भी पात्र व्यक्ति सर्वे से वंचित नहीं रहे इस हेतु अपने-अपने पंचायत वार्ड में जागरुक कर सहयोग करें ताकि आवासविहीन लाभुक इस योजना से लाभ लेने से वंचित न रह जाय, इस बीच में कहीं भी कोई भी बिचौलिया अगर आवास योजना में नाम जुड़वाने एवं सर्वेक्षण करवाने के नाम पर किसी भी आवेदक से लाभुक से अवैध रूप से राशि की मांग करता है तो तुरंत इसकी जानकारी उन्हें दें, उचित कार्रवाई की जायेगी. यह कार्य सार्वजनिक रूप से विभाग के द्वारा करायी जा रही है. इसमें कहीं भी किसी भी प्रकार के बिचौलिये एवं पैरवी की आवश्यकता नहीं है. यहां तक कि अगर आवास सहायक भी कहीं किसी से भी अवैध राशि की मांग करते हैं तो तुरंत जानकारी उन्हें दी जाय.बीडीओ ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पीएम आवास के लाभुक सर्वे कार्य में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत स्वच्छता शपथ का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

जिला गंगा समिति, खगड़िया के तत्वावधान में नमामि गंगे के जिला परियोजना अधिकारी रजनीश कुमार के दिशा-निर्देशन में गंगा ग्राम बन्नी के समाजसेवी सिकंदर कुमार एवं चंद्रप्रकाश राम के सहयोग से जवाहर इंटर विद्यालय, महेशखूँट, गोगरी में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध कराये गये नमामि गंगे कामिक्स पुस्तक ''चाचा चौधरी के साथ गंगा की बात'' एवं मासिक पत्रिका का वितरण व गंगा एवं उनकी सहायक नदी को स्वच्छ तथा अविरल बनाये रखने के लिए स्वच्छता शपथ विद्यालय के छात्रों एवं शिक्षकों को प्रधानाध्यापक रीमा कुमारी के नेतृत्व में दिलाया गया। मौकें पर शिक्षक अवनीश कुमार, बालकृष्ण कुमार, पंकज कुमार परमहंस, संजीत कुमार, मनीष कुमार, संजय कुमार, मुकेश कुमार, नवीन कुमार सिन्हा, कंचन कुमार के अलावा सैकड़ों छात्र/छात्रा मौजूद थे।

पूर्णियाः युवती की हत्या का मामला पुलिस ने सुलझाया

दैनिक बिहार पत्रिका

पूर्णिया। बिहार में पूर्णिया जिले के बायसी थाना क्षेत्र में एक युवती की हत्या का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। मामले में आरोपी आजाद अली (55 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह मामला 22 नवंबर को दर्ज किया गया था, जब हरिपुर निवासी जमीमा ने अपनी पुत्री अशरफी की हत्या का मामला दर्ज कराया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी आजाद अली का मृतका के साथ प्रेम-संबंध था। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि घटना के दिन उसने अपने तीन अन्य साथियों के साथ पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया और फिर हत्या कर शव को बालू में दफना दिया। बायसी थाना प्रभारी संजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस अधिकारी बच्चन मंडल, इमाम हसन और सशस्त्र बल की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

स्वास्थ्य संकट : चीन में बढ़ रहा नए वायरस का आतंक : फ्लू या कुछ और?

योगेश कुमार गोयल

> विशेषज्ञों का सुझाव है कि शिशुओं और बुजुर्गों, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, उनमें मेटान्यूमोवायरस के कारण गंभीर बीमारी होने का खतरा अधिक होता है। इससे बचाव के उपायों में हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोना, खांसते और छींकते समय मुंह और नाक ढ़ंकना, संक्रमितों लोगों से दूरी बनाना, स्वस्थ आहार और पर्याप्त नींद लेना, फ्लू के टीके लगवाना इत्यादि शामिल हैं।

चीन में एचएमपीवी का प्रकोप कोरोना के बाद नया खतरा...

2020 में चीन से हुई कोरोना की शुरूआत के बाद इसने पूरी दुनिया में जो दहशत मचाई, उसे याद करके आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कोरोना महामारी के भयावह दौर में दुनियाभर लाखों लोग मारे गए, लाखों परिवार उजड़ गए, अनेक बच्चे अनाथ हो गए। अभी तक कोरोना का खौफ बरकरार है और कोरोना की शुरूआत के करीब 5 साल बाद अब चीन से ही एक और ऐसे ही खतरनाक वायरस की दस्तक की खबरें दुनिया के सामने आ रही है, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह वायरस कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। भारत में कर्नाटक, गुजरात और पश्चिम बंगाल में कुछ बच्चों में नए वायरस के मामले मिल चुके हैं, जिसके बाद भारत में सतर्कता बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि यह वायरस बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहा है। कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में यह संक्रमण निमोनिया में परिवर्तित हो जाता है और उनमें मौत का जोखिम बढ़ जाता है। हाल के दिनों में कई रिपोर्टों में बताया जा चुका है कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) नामक इस वायरस ने इन दिनों चीन में दस्तक देकर वहां दहशत फैला रखी है और इस खतरनाक वायरस के कारण वहां के अस्पताल में मरीजों की संख्या बहुत बढ़ गई है तथा ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के कारण बड़ी संख्या में मरीज मर भी रहे हैं लेकिन कोविड की ही भांति चीन द्वारा इसे लेकर भी लीपापोती की जा रही है। हालांकि कुछ रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि इस वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गई है लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

दरअसल विदेशी मीडिया पर लगे प्रतिबंधों के कारण चीन से कोई भी खबर दुनिया तक आसानी से नहीं पहुंच पाती, केवल चीन की सरकारी समाचार एजेंसी ही खबरों का एकमात्र जरिया है, जो दुनिया को वही खबर बताती है, जो वहां की सरकार चाहती है। बताया जा रहा है कि उत्तर चीन के प्रांतों में 14 वर्ष से कम उम्र के लोगों में एचएमपीवी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इस खतरनाक वायरस के हमले से चीन में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। खचाखच भरे अस्पताल और श्मशान में बढ़ती बेतहाशा भीड़ इस संकट के कोरोना जैसा या उससे भी बदतर होने

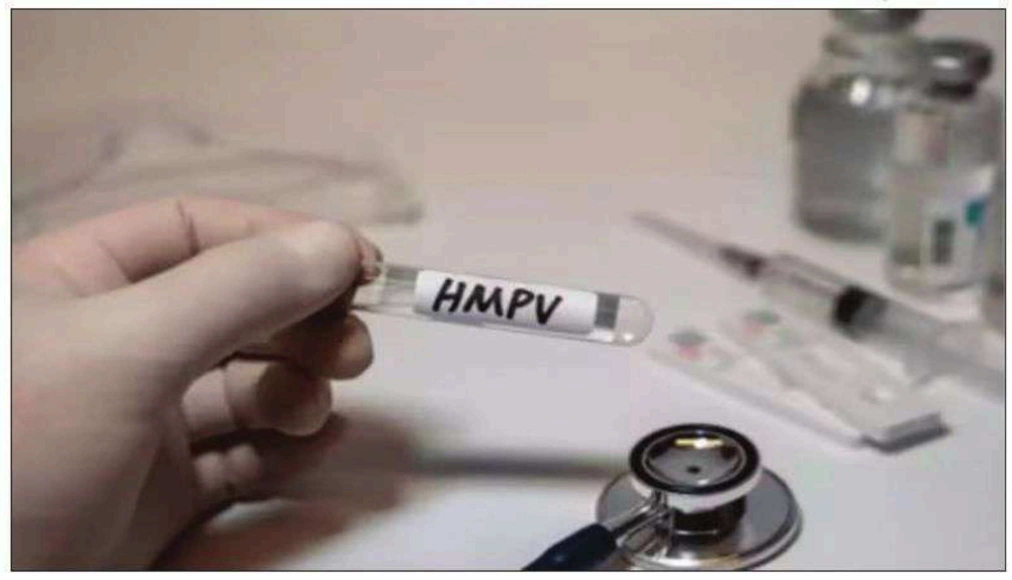

की पुष्टि कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर 'सार्स-सीओवी-2 (कोविड-19)' नामक एक एक्स हैंडल द्वारा पोस्ट में लिखा गया है कि चीन इस समय एचएमपीवी, इन्फ्लूएंजा ए, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड-19 सहित कई वायरस के मामलों में उछाल का सामना कर रहा है और वहां के अस्पताल विशेष रूप से निमोनिया और 'व्हाइट लंग' के मामलों से परेशान हैं।

पूरी दुनिया के लिए महासंहारक साबित हुए कोविड-19 वायरस की उत्पत्ति को लेकर भले ही चीन आरोपों को खारिज करता रहा लेकिन बार-बार यह पुष्टि होती रही कि वह वायरस चीन के वुहान शहर से ही दुनिया में फैला था लेकिन वुहान में यह कैसे फैला था, उस रहस्य से पर्दा अब तक नहीं उठ सका है और अब एचएमपीवी वायरस का प्रकोप भी सबसे पहले चीन में ही शुरू हुआ है। दरअसल बर्ड फ्लू से लेकर सार्स और कोविड तक सभी प्राणाघातक और महासंहारक वायरल रोगों की उत्पत्ति चीन से ही होती रही है लेकिन इसका रहस्य दुनिया आज तक पता नहीं लगा पाई है। चूंकि सभी वायरस चीन में ही पैदा हो रहे हैं, इसलिए ऐसे वायरस हमलों को लेकर पूरी दुनिया में चीन को लेकर संदेह का माहौल बना हुआ है कि कहीं कोविड-19 के बाद खतरनाक होता एचएमपीवी भी चीन की जैविक प्रयोगशालाओं में रची जा रही साजिश तो नहीं है। कोविड संकट के दौरान विश्व के तमाम देशों की औद्योगिक गतिविधियों सहित जनजीवन भी पूरी तरह ठप्प हो गया था। उस दौरान चीन को छोड़कर तमाम देशों की अर्थव्यवस्था लगभग खत्म होने के कगार पर आ गई थी। कई देश तो इसका खामियाजा आज तक भुगत रहे हैं।

एचएमपीवी वायरस के संक्रमण की तेज गति को देखते हुए इसके अन्य देशों में फैलने के खतरों से इन्कार नहीं किया जा सकता। हालांकि डच शोधकर्ताओं ने 2001 में सबसे पहले श्वसन संबंधी बीमारियों से पीड़ित बच्चों में इस वायरस की खोज की थी और हर साल कई देशों में इसके कुछ मामले सामने आते रहे हैं लेकिन इन दिनों चीन में जिस तरह इस वायरस ने आतंक मचाया हुआ है, ऐसे में चीन में इसके बेतहाशा बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत ने भी सतर्कता बढ़ा दी है और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए है तथा लगातार अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मौसमी इन्फ्लुएंजा और सांस संबंधी संक्रमणों की निगरानी की जा रही है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डा. अतुल गोयल का कहना है कि खबरों में कहा जा रहा है कि चीन में मेटान्यूमोवायरस वायरस का एक आउटब्रेक है, जो गंभीर है। हालांकि उनका कहना है कि हमें ऐसा नहीं लगता कि भारत में किसी गंभीर स्थिति की संभावना है। वहीं, दिल्ली मेडिकल काउंसिल के चेयरमैन और बाल रोग विशेषज्ञ डा. अरूण गुप्ता का कहना है कि भारत में इस वायरस के कारण बीमारी बढ़ने की अभी संभावना नजर नहीं आ रही है।

अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के अनुसार, एचएमपीवी सभी उम्र के लोगों में अपर और लोअर रेस्पिरेटरी डिजीज का कारण बन सकता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के खांसने और छींकने से निकलने वाले स्राव या नजदीकी संपर्क जैसे हाथ मिलाने से भी फैलता है। एचएमपीवी वायरस न्यूमोवायराइड और मेटान्यूमोवायरस जीनस का हिस्सा है, जो एक सिंगल-स्ट्रैंडेड नेगेटिव-सेंस आरएनए वायरस है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, इस वायरस का संक्रमण काल तीन से पांच दिन होता है। इस वायरस के संक्रमण से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, जिससे यह बार-बार संक्रमण का कारण बन सकता है। एचएमपीवी भी कोरोना की ही भांति श्वसन पथ को संक्रमित करता है, हालांकि कोरोना के मुकाबले इस वायरस के कारण ऊपरी और निचले दोनों श्वसन पथ में संक्रमण का खतरा हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह एक कम पहचाना गया वायरस है लेकिन यह दुनियाभर में मौसमी श्वसन बीमारियों में योगदान कर रहा है। एचएमपीवी में कोरोना ही भांति फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं। इससे जुड़े सामान्य लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना, गले में खराश और सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि शिशुओं और बुजुर्गों, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, उनमें मेटान्यूमोवायरस के कारण गंभीर बीमारी होने का खतरा अधिक होता है। इससे बचाव के उपायों में हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोना, खांसते और छींकते समय मुंह और नाक ढ़ंकना, संक्रमितों लोगों से दूरी बनाना, स्वस्थ आहार और पर्याप्त नींद लेना, फ्लू के टीके लगवाना इत्यादि शामिल हैं।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

इंडिया का अंतर्विरोध

दिल्ली विधानसभा चुनाव ने विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया में आई दरार को और अधिक चौड़ा कर दिया है। इसकी शुरू आत कांग्रेस नेता अजय माकन के उस बयान से हुई जिसमें उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल को फर्जी वालों और राष्ट्रद्रोही बताया था। इसकी प्रतिक्रिया में आप ने कांग्रेस पार्टी को इंडिया गठबंधन से बाहर करने की धमकी दी थी। अब तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और शिवसेना (उद्धव) ने आप को समर्थन देने की घोषणा की है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने कहा था कि इंडिया गठबंधन लोक सभा चुनाव के लिए ही था। इसके बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि लोक सभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन का गठन किया गया था, लेकिन लोक सभा चुनाव के दौरान यह गठबंधन कोई न्यूनतम साझा कार्यक्रम तैयार नहीं कर सका और ना किसी को संयोजक ही बन सका।

इसने राष्ट्रीय स्तर पर कोई अभियान भी नहीं चलाया। हालांकि तथ्य यह है कि इसके बावजूद इंडिया गठबंधन भाजपा को लगातार तीसरी बार बहुमत पाने से रोक दिया। यह सच है कि क्षेत्रीय दलों के समर्थन से कांग्रेस लोक सभा में 99 सीटें पाने में सफल रही। इंडिया के घटक दलों का आरोप है कि कांग्रेस अपनी जीत का श्रेय गठबंधन को न देकर अपनी नीतियों और अपने नेता को दे रही है। विपक्षी दलों का यह भी आरोप है कि कांग्रेस संसद में अपने दलीय हितों से जुड़े मसले को उठाती रही जबकि उसे अपने सहयोगियों के साथ राष्ट्रीय मुद्दों पर आम सहमति बनानी चाहिए थी। इंडिया गठबंधन के घटक दल कांग्रेस के नेतृत्व पर भी सवाल उठने लगे हैं। इस क्रम में सबसे पहले ममता बनर्जी ने सवाल उठाया और खुद नेतृत्व करने का दावा पेश किया और लालू यादव ने उनके सुर में सुर मिलाया। गठबंधन के घटक दल अपने-अपने राज्यों में कांग्रेस को पांव जमाने का मौका नहीं देना चाहते। दूसरी ओर कांग्रेस भी जिन राज्यों में मजबूत है वहां इंडिया में शामिल क्षेत्रीय दलों से तालमेल करना नहीं चाहती। इसी अंतर्विरोध को देखते हुए उमर अब्दुल्ला को कहना पड़ा कि यदि गठबंधन केवल लोस चुनाव तक ही था तो इसे समाप्त कर देना चाहिए। कांग्रेस गठबंधन से भले अलग-थलग पड़ती जा रही हो, लेकिन वास्तविकता यही है कि भाजपा को हराने के लिए जो भी विपक्षी गठबंधन बनेगा उसमें कांग्रेस की प्रमुख भूमिका को दरकिनार नहीं किया जा सकता।

चिंतन-मनन

उद्यम में है लक्ष्मी का वास

काम का ढेर देखकर कभी घबराना नहीं। मनुष्य काम करने के लिए ही जन्मा है। वह नहीं चाहेगा तो भी उसे काम करना ही पड़ेगा। जो कर्तव्य-कर्म करने में उत्साही है, वही दूसरों के लिए उपयोगी होने का सुख भोग सकता है। उद्यम में लक्ष्मी का वास है और आलस्य में अलक्ष्मी का। उद्यमी को देखकर कमनसीबी डरके भाग जाती है। उद्यम करने पर भी कभी ध्येय सिद्ध न हो तो भी उदास न हों, क्योंकि पुरुषार्थ अथवा प्रयत्न स्वयं ही एक बड़ी सिद्धि है। दुःख से कभी डरें नहीं, बल्कि उसे देखकर उसके सामने हँसें। आपको हँसते देखकर दुःख स्वयं ही डरके भाग जाएगा। मानव को दुःख का शिकार नहीं होना चाहिए, न ही सुख में फूलना चाहिए।

सुख सपना दुःख बुलबुला, दोनों हैं मेहमान।
दोनों बीतन दीजिए, जो भेजें भगवान?

सूक्ति

अपनी भूल अपने ही हाथों से सुधर जाए तो यह उससे कहीं अच्छा है कि कोई दूसरा उसे सुधारे।
- प्रेमचंद

जो वर्तमान में कमाया हुआ धन जोड़ता नहीं, उसे भविष्य में पछताना पड़ता है।
- चाणक्य

विवेकानंद जयन्ती : युवाओं के आध्यात्मिक शक्ति पुंज थे स्वामी विवेकानंद !

युवाओं के सबसे बड़े प्रेरक और स्वयं भी युवा संत रहे स्वामी विवेकानंद संसार की एक ऐसी दिव्य आत्मा मानव रूप में हुई है जिन्होंने बहुत कम आयु में जीवन के कई जन्मों का पुरुषार्थ कर युवाओं के सामने एक सार्थक उदाहरण प्रस्तुत किया था।स्वामी विवेकानंद न सिर्फ एक संत थे बल्कि एक सोच थे,एक राष्ट्रवादी विचारधारा थे, एक नवक्रांति है,एक नवनिर्माण की मशाल थे तो अपनी वाकपटुता व बौद्धिक कौशल से दुनिया का दिल जीतने वाले एक महान कर्मयोगी भी।उन्हें नैतिक मूल्यों के विकास एवं युवा चेतना के जागरण हेतु प्रतिबद्ध माना गया तो मानवीय मूल्यों के पुनरुत्थान के सजग प्रहरी, अध्यात्म दर्शन और संस्कृति को जीवंतता देने वाली संजीवनी बूटी के रूप में एक महारथी भी।वे वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु के रूप में प्रतिष्ठित हुए। स्वामी विवेकानन्द को युवाओं के आदर्श के रूप में देखा जाता हैं। उनकी सोच रही कि युवको को शारीरिक प्रगति से ज्यादा आंतरिक प्रगति की आवश्यकता है। उन्होंने युवकों को प्रेरणा देते हुए कहा था कि पहले हर अच्छी बात का मजाक बनता है, फिर उसका विरोध होता है और अंत में उसे स्वीकार कर लिया जाता है। वे युवकों में जोश भरते हुए कहा करते थे कि, उठो मेरे शेरों ! इस भ्रम को मिटा दो कि तुम निर्बल हो। जो तुम सोचते हो वह हो जाओगे। ऐसी ही कुछ प्रेरणाएं हैं जो आज भी युवकों को आन्दोलित करती हैं, पथ दिखाती हैं और जीने का दर्शन प्रदत्त करती हैं।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस के परम शिष्य स्वामी विवेकानंद एक ऐसे संत हुए जिनका रोम-रोम राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत था। राष्ट्र के दीन-हीनजनों की सेवा को ही वे ईश्वर की सच्ची पूजा मानते थे।

इस युवा संन्यासी ने निजी मुक्ति को जीवन का लक्ष्य नहीं बनाया था, बल्कि करोड़ों देशवासियों के उत्थान को ही अपना जीवन-लक्ष्य बनाया। उनके सदवचन, किसी की भी जिंदगी परिवर्तित कर सकते है।उनके

शब्दों में, ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वो हमी हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। जिस तरह से विभिन्न स्त्रोतों से उत्पन्न धाराएं अपना जल समुद्र में मिला देती हैं, उसी प्रकार मनुष्य द्वारा चुना हर मार्ग चाहे वह अच्छा हो या बुरा, भगवान तक जाता है।

किसी की निंदा न करें। यदि आप मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, तो जरूर बढ़ाएं। यदि नहीं बढ़ा सकते हैं, तो अपने हाथ जोड़िए, अपने भाइयों को आशीर्वाद दीजिए और उन्हें उनके मार्ग पर जाने दीजिए।आत्मा के लिए कुछ असंभव है। ऐसा सोचना सबसे बड़ा विधर्म है। अगर कोई पाप है, तो वो यही है; ये कहना कि तुम निर्बल हो या अन्य निर्बल हैं। अगर धन दूसरों की भलाई करने में मदद करे, तो इसका कुछ मूल्य है अन्यथा ये सिर्फ बुराई का एक ढेर है और इससे जितना जल्दी छुटकारा मिल जाए, उतना बेहतर है।जिस समय जिस काम के लिए प्रतिज्ञा करो, ठीक उसी समय पर उसे करना ही चाहिए, नहीं तो लोगों का विश्वास उठ जाता है।उस व्यक्ति ने अमरत्व प्राप्त कर लिया है, जो किसी सांसारिक वस्तु से व्याकुल नहीं होता। हम वह हैं, जो हमें हमारी सोच ने बनाया है इसलिए इस बात का ध्यान रखिए कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते, तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। सत्य को हजार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा। विश्व एक व्यायामशाला है, जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए, आप यकीन कर सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर सफर कर रहे हैं।यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है, लेकिन जो दुसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में जीते हैं। भगवान की एक परम प्रिय के रूप में पूजा की जानी चाहिए, इस या अगले जीवन की सभी चीजों से बढ़कर। स्वयं में विश्वास करना और अधिक विस्तार से पढ़ाया और अभ्यास कराया गया होता, तो मुझे यकीन है कि बुराइयों और दुःख का एक बहुत बड़ा हिस्सा गायब हो गया होता।बाहरी स्वभाव केवल अंदरुनी स्वभाव का बड़ा रूप है।हम जितना ज्यादा बाहर जाएं और दूसरों का भला करें, हमारा हृदय उतना ही शुद्ध होगा ।युवाओं के प्रेरणादायक स्वामी विवेकानंद का वास्तविक नाम नरेन्द्र नाथ दत्त है। उन्होंने अमेरिका स्थित शिकागो में सन 1893में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। भारत का आध्यात्मिकता से परिपूर्ण वेदान्त दर्शन अमेरिका और यूरोप के हर एक देश में स्वामी विवेकानन्द के कारण ही पहुँचा। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी ,यह संस्था आज भी सक्रिय है। वे रामकृष्ण परमहंस के परमशिष्य थे।

कोलकत्ता के एक कुलीन परिवार में जन्मे स्वामी विवेकानंद आरंभ से ही आध्यात्मिकता की ओर झुके हुए थे। वे अपने गुरु रामकृष्ण देव से काफी प्रभावित थे वे मानव जाति की सेवा को परमात्मा की सेवा मानते थे।स्वामी रामकृष्ण की मृत्यु के बाद विवेकानंद ने भारतीय उपमहाद्वीप का दौरा किया और ब्रिटिश भारत में मौजूदा स्थितियों का प्रत्यक्ष ज्ञान हासिल किया। उन्होने ने संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और यूरोप में हिंदू दर्शन के सिद्धांतों का प्रसार किया और कई सार्वजनिक और निजी व्याख्यानों का आयोजन किया।तभी तो आज भी स्वामी विवेकानंद को लोग उनके काम से जानते है।उनकी आध्यात्मिक शक्ति को पहचानते है और युवाओं के लिए प्रेरक मानते है।स्वामी विवेकानंद होने का अभिप्राय ही मानव कल्याण कहा जा सकता है।या फिर युवाओं का आध्यात्मिक शक्ति पुंज भी हम स्वामी विवेकानंद को मान सकते है।

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट (लेखक वरिष्ठ साहित्यकार व 21 पुस्तको के रचयिता है)

नक्सली गतिविधिः सरकार को मिली निर्णायक सफलता

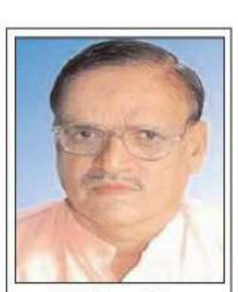

प्रमोद भार्गव

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिला मुख्यालय से 55 किमी दूर अंबेली गांव के पास नक्सलियों द्वारा बिछाए गए अति तीव्र विस्फोटक की चपेट में आकर एक आरक्षित गार्ड समेत आठ जवान शहीद हो गए। विस्फोटक इतना तीव्र था कि जवानों के वाहन स्कार्पियों के परखच्चे उड़ गए। नक्सलियों की यह चुनौती उस समय मिली है, जब नक्सलियों के संगठनों के खत्म होने की उम्मीद की जा रही है, लेकिन इस चुनौती ने साफ कर दिया है कि नक्सलियों का वैसा दमन अब तक नहीं हो सका है, जैसी उम्मीद की जा रही है। हालांकि केंद्र सरकार ने 2026 तक नक्सलवाद का पूर्ण सफाया करने का संकल्प लिया हुआ है, लेकिन नक्सलियों का अस्तित्व अब तक बना है तो इसलिए क्योंकि कुछ देशविरोधी ताकतें उन्हें धन, विस्फोटक और उत्तम गुणवत्ता की संचार प्रणाली उपलब्ध करा रहे हैं।

यह वाकई चिंता का विषय है कि नक्सली अपने विरुद्ध चल रहे सुरक्षाबलों के अभियानों को निशाना बनाने में बार-बार क्षति पहुंचाने में सफल हो जाते हैं। अतएव लगता है कि वनवासियों और ग्रामीणों पर उनकी पकड़ अभी भी बनी हुई है। वहीं सुरक्षाबलों की मुखबिरी करके सटीक जानकारी पहुंचाते हैं। नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार की कोशिश है कि सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्षेत्रों में कर दी जाए, जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं।

केंद्र सरकार की कोशिश है कि 31 मार्च 2026 तक इस क्षेत्र को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाए। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों की अज्ञात क्षेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उग्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। मजबूत और कठोर कार्य योजना को अमल में लाने का ही नतीजा है कि इस साल सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 153 नक्सली मारे जा चुके हैं। शाह का कहना है कि 2004-14 की तुलना में 2014-24 के दौरान देश में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है। 2004-14 में नक्सली हिंसा की 16,274 वारदातें दर्ज की गई थीं, जबकि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 10 वर्षों में इन घटनाओं की संख्या घटकर 7,696 रह गई। इसी अनुपात में देश में माओवादी हिंसा के कारण होने वाली मौतों की संख्या 2004-14 में 6,568 थीं, जो पिछले दस साल में घटकर 1990 रह गई है और अब सरकार ने जो नया संकल्प लिया है, उससे तय है कि जल्द ही इस समस्या को निर्मूल कर दिया जाएगा। जिस तरह से मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति अभी शेष है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही थीं, लेकिन नक्सालियों पर शिकंजा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निशाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं और इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाका हैं, जिससे ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुश्किल होता है, लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गों, छिपने के स्थलों और जल सोतों से भी ये खूब परिचित हैं। इसलिए ये और इनकी शक्ति लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोषित होती रही है। हालांकि अब इनके हमलों में कमी आई है।

जब किसी भी किस्म का चरमपंथ राष्ट्र-राज्य की परिकल्पना को चुनौती बन जाए तो जरूरी हो जाता है, कि उसे नेस्तनाबूद करने के लिए जो भी कारगर उपाय उचित हों, उनका उपयोग किया जाए? हालांकि देश में तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा है, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोलता था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की और गिरफ्तारियों को गलत ठहराया था। माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते हैं। इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती है, लेकिन अब इस चरमपंथ पर अंकुश लगाना जरूरी है।

ये दोस्ती है कमाल की!

बाघ के बच्चे के साथ अंजना

अमेरिका के एक अभयारण्य में रहने वाली चिम्पैंजी है अंजना। वह इतनी दयालु है कि उसने बहुत से जानवरों के बहुत से अनाथ बच्चों को अपनाया है। अब वह मां की तरह एक बाघ के बच्चे की देखरेख कर रही है और उसकी अठखेलियों में खुश भी हो रही है। वैसे चिम्पैंजी काफी बुद्धिमान और समझदार होते हैं और वे अपने साथ रहने वालों का भी ख्याल रखते हैं।

थेंबा का साथी एल्बर्ट

मां के मर जाने से नन्हा थेंबा (हाथी) बहुत दुखी हुआ और कई दिनों तक इसका शोक मनाता रहा। दक्षिण अफ्रीका के एक अभयारण्य में लाए जाने के बाद भी उसने खाना-पीना छोड़ रखा था। इसी दौरान उसे एल्बर्ट नाम की भेड़ के रूप में एक अच्छा दोस्त मिला। जल्द ही दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। खेलने के साथ दोनों झपकियां भी साथ ही लेते। नए दोस्त ने इतनी खुशियां दीं कि थेंबा अपने दुख भूल गया और फिर से खाना-पीना शुरू कर दिया।

बालू-लियो और शेर खान की तिकड़ी

शेर खान दरअसल शेर नहीं, बल्कि एक बाघ है और उसके साथ बालू नाम का भालू और लियो नाम का शेर है। इन तीनों के साथ इनके मालिक ने बुरा सलूक किया था, जिस कारण बालू को चोट भी लग गई। इस मुश्किल की घड़ी में ये एक-दूसरे का सहारा बन गये और अब अमेरिका के एक अभयारण्य में ये अपना सारा वक्त साथ ही गुजारते हैं।

दुश्मन के भी दोस्त बनो

अमित लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती। फिर आखिर ऐसा क्या हुआ जो अमित को नीचा देखना पड़ा और वह बदल गया।

बहुत पहले की बात है। एक गांव था राजनगर। वहां पर करण नाम का एक लड़का रहता था। वह लड़का स्वभाव का बहुत अच्छा था। पढ़ाई में भी होशियार था। वह बहुत आज्ञाकारी और अपने मां-बाप का कहना मानता था। स्कूल में वह ज्यादातर बच्चों की तुलना में होशियार था। स्वभाव से वह विनम्र था और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करता था। उसके स्कूल में चाहे उससे बड़े लड़के हों या फिर छोटे, सभी उसे पसंद करते थे। लेकिन इस कारण बहुत से लड़के करण से जलते भी थे। करण की ही क्लास में एक लड़का पढ़ता था, जिसका नाम था अमित। अमित पढ़ाई में तेज नहीं था। उसका स्कूल में खेलने में बहुत मन लगता था। वह अपने माता-पिता की बात नहीं सुनता था और उनसे रूखे तरीके से बात करता था। अपनी क्लास के लड़कों को वह चिढ़ाया करता था। यहां तक कि करण को भी वह खूब परेशान करता था। वह लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती।

अपने आठवें जन्मदिन पर करण को अपने पिता की तरफ से गिफ्ट के तौर पर एक सुंदर सा पेन मिला। करण स्कूल में नोट्स लिखने के लिए वह पेन ले जाने लगा। वह पेन दिखने में तो सुंदर था ही, लिखता भी तेज था। जब अमित ने करण का पेन देखा तो उसे बहुत जलन हुई। अमित ने नजरें तिरछी करके करण से पूछा, 'यह पेन तुम्हें कहां से मिला? क्या तुमने इसे खरीदा है?'

'नहीं, मुझे यह पेन मेरे मम्मी-पापा ने बर्थ डे गिफ्ट में दिया है।' करण ने जवाब दिया।

इस बात से अमित का गुस्सा और भी ज्यादा भड़क गया। अपने माता-पिता से वह खुद इतना बुरा सलूक करता था कि अब तक उसे उनसे शायद ही कोई गिफ्ट मिला हो। जब लंच का वक्त हुआ, तो उसने करण का पेन चुराने का फैसला कर लिया। जब हर कोई लंच के लिए बाहर निकल गया, तो अमित ने चुपके से करण के बैग से पेन चुरा लिया। इसके बाद उसने पेन अपने बैग में छिपा लिया और लंच करने बाहर चला गया।

जब करण वापस लौटा तो उसे बैग में अपना पेन नहीं मिला। उसने अपने टीचर को इस बारे में बताया। इसके बाद पूरी क्लास में पेन खोजा गया, लेकिन वह नहीं मिला। तब टीचर ने क्लास के मॉनीटर से कहा कि वह सबके बैग की तलाशी ले। जल्द ही अमित के बैग से पेन मिल गया। उसे गुस्से से देखते हुए टीचर ने पूछा, 'अमित, पेन तुम्हारे बैग से निकला है, इस बारे में तुम्हें कुछ कहना है?'

अमित की आंखों में आंसू आ गए। वह कुछ नहीं बोला। जब करण ने अमित को रोते हुए देखा, तो उसे अमित पर दया आ गई। उसके दिल में अमित के लिए कोई गिला-शिकवा नहीं था। उसने टीचर से कहा कि उसका खोया हुआ पेन वापस मिल गया है, अब वे अमित को सजा न दें। करण के इन शब्दों ने अमित की आंखें खोल दीं। वह हमेशा करण को परेशान करता था, लेकिन करण ने हमेशा उससे अच्छा व्यवहार किया। इस समय उसे एहसास हो रहा था कि करण कितना अच्छा लड़का है। उसने तुरंत करण और क्लास टीचर से माफी मांगी। इसके बाद करण और अमित दोस्त बन गए। फिर तो अमित का व्यवहार बदल गया और सभी उसे पसंद करने लगे। करण को अपने नए दोस्त पर नाज था।

हंसने वाला कोका

साथियों, क्या तुमने ऑस्ट्रेलिया के हंसने वाले कोका के बारे में सुना है? आजकल ऑस्ट्रेलिया में यह खूब चर्चित हो रहा है। हंसने वाले कोका का दरअसल राज यह है कि इसका मुंह इस तरह का बना होता है, मानो खुशी से हंस रहा हो। छोटे चूहे जैसा यह जानवर आजकल ऑस्ट्रेलिया में पर्यटकों के बीच खूब लोकप्रिय हो रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह बेहद सेल्फी फ्रेंडली जानवर है। इसके साथ सेल्फी आती भी बड़ी मस्त है। इसकी स्माइलिंग वाले जबड़े की बनावट के कारण कुछ समय पहले इसे दुनिया के सबसे खुश जानवर की उपाधि भी मिल चुकी है। कोका वैसे तो एक साथ रहना पसंद करते हैं। आमतौर पर ये पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दलदली इलाकों और जंगलों में रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के रॉटनेस्ट आइलैंड पर ये खूब पाए जाते हैं।

एक है कैट आइलैंड

तुमने वह कहानी तो सुनी ही होगी, जिसमें एक राजा ने मक्खियों को उड़ाने की नौकरी एक बंदर को दी थी। एक दिन राजा की नाक पर बैठी मक्खी को उस बंदर ने डंडे से ऐसा भगाया कि राजा की नाक ही टूट गई। उसके बाद राजा ने ऐसे दोस्तों से तौबा कर ली थी। कुछ ऐसा ही माजरा हुआ है दक्षिण जापान के एक दूर के द्वीप पर। वहां पर अधिकतर मछुआरे रहते हैं। बेचारों ने काफी समय पहले एक ऐसे दोस्त से दोस्ती कर ली, जो अब उनकी जान की मुसीबत बन गया है। दक्षिणी जापान के आओशिमा नामक द्वीप पर मछुआरों की दोस्त बनकर आई बिल्लियां अब संख्या में इतनी ज्यादा हो गई हैं कि जिधर नजर घुमाओ, बिल्लियां ही बिल्लियां नजर आती हैं। ये इतनी ज्यादा हो गई हैं कि यहां हर एक आदमी पर छह बिल्लियों का अनुपात बन गया है। बेचारे इस द्वीप के रहने वाले। हर वक्त उन्हें भगाते ही रहते हैं। कुछ उन्हें खाना भी खिलाते हैं। कुछ वर्षों पहले जब यहां चूहे बहुत ज्यादा हो गए थे और वे आए दिन मछुआरों की नाव काटने लगे, तो बिल्लियों को इस द्वीप पर लाया गया। अब चूहे तो नहीं रहे, लेकिन चारों तरफ बिल्लियां ही बिल्लियां हैं। इस द्वीप पर कुछ बुजुर्ग और युवा ही रहते हैं। बाकी सभी बड़े शहर चले गए हैं। अब यहां इतनी बिल्लियां हैं कि कोई रेस्टोरेंट या खोमचा नहीं खोला जा सकता। यहां केवल इस 'कैट आइलैंड' को देखने आने वालों को लाने-ले जाने वाली मोटरबोट ही ज्यादा दिखती हैं। हालांकि कुछ लोगों को इस द्वीप पर बिल्लियों को देखने में खूब मजा आता है।

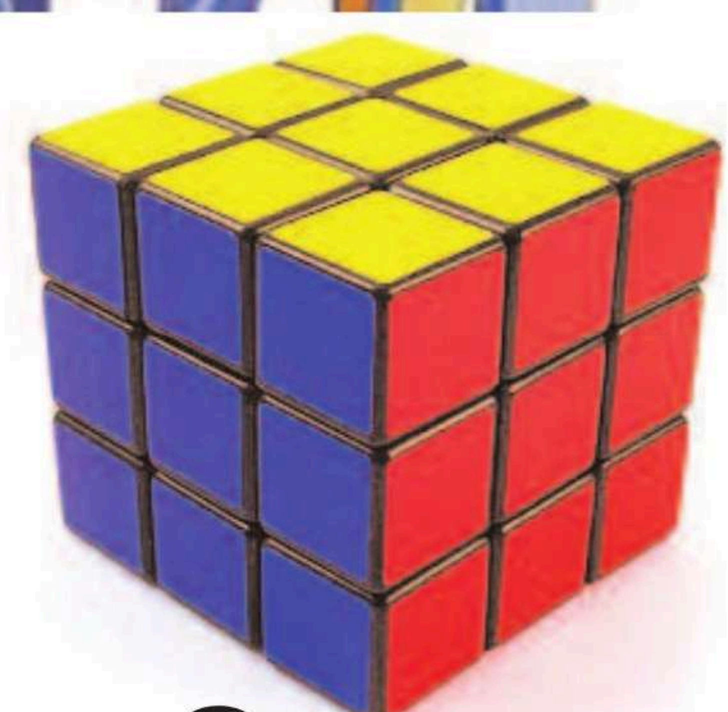

रूबिक क्यूब्स का तोड़ा रिकॉर्ड

अगर इंटेलिजेंट होने की बात आती है, तो रूबिक क्यूब्स में महारत की बात भी जरूर उठती है। आपको पता है कि रूबिक क्यूब्स क्या होते हैं?

दोस्तों, तुम सभी ने आकार में चौकोर कई रंग-बिरं खानों वाला यह क्यूब कभी न कभी खेला जरूर होगा। उ हल करना आमतौर पर लोगों के लिए बहुत कठिन होता है इसीलिए उसे जो सही-सही खेल ले, वह बड़ा बुद्धिमा माना जाता है। इस क्यूब को पसंद करने वालों में बहुत ऐसे भी हैं, जो इसे सबसे जल्दी हल करने की प्रतियोगि भी करते हैं। उन्हें 'स्पीड क्यूबर्स' के नाम से जाना जा है। बहुत से लोग इसके लिए प्रसिद्ध हैं, जैसे कि भारत भार्गव नरसिम्हन। वह एक जाने-माने स्पीड क्यूबर है उनके नाम रूबिक क्यूब के दो नेशनल रिकॉर्ड हैं और अ खबर है कि उन्होंने 5 रूबीस क्यूब का वर्ल्ड रिकॉर्ड भ अपने नाम कर लिया है। यह उन्होंने एक मिनट के अंद हल कर दिया। यह काम उन्होंने केवल एक हाथ से ही क दिखाया। वैसे भार्गव केवल 22 साल के हैं और अभी पढ़ा कर रहे हैं। इनसे प्रेरणा लेकर तुम भी रूबिक क्यूब्स व जल्द से जल्द हल करने का मुकाबला रख सकते हो। तु बहुत मजा आएग

यश के 39वें बर्थडे पर रिलीज हुआ टॉक्सिक का टीजर, दो घंटे में मिले 8 लाख से ज्यादा व्यूज

साउथ अभिनेता यश अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हैं। केजीएफ 1 और केजीएफ 2 में अपनी बेहतरी परफॉर्मेंस से सभी के दिलों में खास जगह बना चुके यश की आगामी एक्शन फिल्म टॉक्सिक का टीजर सामने आ चुका है। टॉक्सिक के टीजर में यश एक नाइट कल्ब में लड़कियों के साथ मस्ती करते नजर आए।

टॉक्सिक का टीजर हुआ रिलीज

केवीएन प्रडोक्शन ने कुछ ही देर पहले फिल्म टॉक्सिक का म्यूजिकल टीजर रिलीज किया है। फिल्म निर्माताओं ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें यश की फिल्म के लुक का ही एक पोस्टर दिखाई दे रहा है। इस पोस्टर का लुक रेड रंग का है, जिसमें यश टोपी पहने नजर आ रहे हैं। इस लुक के साथ निर्माताओं ने लिखा, स्वागत है आपका अदम्य संसार में ष्टॉक्सिकदमूवी.. इसके साथ ही फिल्म टॉक्सिक का म्यूजिकल टीजर का यूट्यूब लिंक दिया है

नाइट क्लब में दिखी यश की मस्ती

टॉक्सिक के टीजर में यश एक नाइट क्लब में नजर आ रहे हैं। उनका स्वैग प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है। यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म दिसंबर 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। अपने शानदार कलाकारों और गीतू मोहनदास के निर्देशन के साथ, टॉक्सिक का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा किया जा रहा है।
रिलीज का है प्रशंसकों को इंतजार
केजीएफ और केजीएफ 2 के बाद यश फिल्म टॉक्सिक में नजर आएंगे। आज टीजर रिलीज के बाद से ही यश के प्रशंसक इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टॉक्सिक में कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी और तारा सुतारिया जैसे कई बेहतरीन अभिनेत्रियां दिखाई दे सकती हैं। हाई-ऑक्टेन गैंगस्टर ड्रामा फिल्म टॉक्सिक को बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है।

निर्माताओं ने टीजर रिलीज का किया था वादा

टॉक्सिक के टीजर रिलीज से पहले यश का एक और लुक सामने आया था, जिसमें वह टोपी पहने नजर आए। पूरी तस्वीर लाल रंग में दिखी। साथ ही यह भी लिखा था कि यश के जन्मदिन पर 10.25 पर फिल्म टॉक्सिक को लेकर कुछ खास आएगा। फिल्म निर्माताओं ने वादे के अनुसार टॉक्सिक का म्यूजिकल टीजर रिलीज कर दिया है।

मैडॉक की फिल्म में नजर आएंगी कियारा आडवाणी?

पिछले साल स्त्री 2 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म बनाने वाली मैडॉक फिल्म्स अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में आ गई है। इस फिल्म का नाम शक्ति शालिनी है। हाल ही में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि फिल्म में कियारा आडवाणी नजर आ सकती हैं। हालांकि, प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

कब रिलीज होगी शक्ति शालिनी?

सोशल मीडिया पर कियारा के नाम पर चल रही चर्चाओं ने अभिनेत्री के फैंस को उत्साहित कर दिया है। मैडॉक फिल्म्स अपने सुपरनैचुरल यूनिवर्स के लिए मशहूर है। फिल्म शक्ति शालिनी 31 दिसंबर, 2025 को रिलीज होने के लिए प्रस्तावित है। फिल्म से जुड़े अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक कियारा को फिल्म में अहम भूमिका में कास्ट करने पर विचार किया जा रहा है। एक सूत्र ने बताया, फिल्म में एक ऐसी नायिका की जरूरत है जो ताकत के साथ नाजुकता को भी पर्दे पर प्रदर्शित सके। कियारा इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। बातचीत चल रही है, लेकिन अभी कुछ तय नहीं हुआ है।

गेम चेंजर में जल्द आएंगी नजर

अगर सब कुछ सही रहा तो शक्ति शालिनी कियारा का मैडॉक फिल्म्स के साथ पहला प्रोजेक्ट हो सकता है। पिछले साल कियारा को मैडॉक के ऑफिस में कई बार मीटिंग के लिए जाते हुए देखा गया था। वर्क फंट की बात करें तो कियारा जल्द ही गेम चेंजर में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 10 जनवरी को रिलीज होगी। इसके अलावा वह वॉर 2 में भी दिखेंगी। इस फिल्म में उनके साथ ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर भी होंगे। इसका निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है।

'इमरजेंसी' रिलीज के लिए इन चुनौतियों का कंगना ने किया सामना

कंगना रणौत अपनी फिल्म इमरजेंसी लेकर आ रही है। यह फिल्म 1975 से 1977 तक तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए 21 महीने के आपातकाल पर केंद्रित है। फिल्म को रिलीज से पहले कई अड़चनों का सामना करना पड़ा। फिल्म को 6 सितंबर 2024 को रिलीज होना था, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से मंजूरी ना मिलने के कारण यह रुक गई। फिल्म को कुछ सिख संगठनों से भी विरोध का सामना करना पड़ा, जिन्होंने कथित तौर पर इसकी रिलीज पर आपत्ति जताई और निर्माताओं पर तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। महीनों के संघर्ष के बाद अब इसे सीबीएफसी से हरी झंडी मिल गई है।

रिलीज के लिए करना पड़ा संघर्ष

कंगना रणौत की फिल्म 'इमरजेंसी' अब 17 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। कंगना फिल्म के प्रमोशन में जुटी हैं। हाल ही में कंगना ने एएनआई से बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म के रिलीज से पहले आई चुनौतियों के बारे में बात की। कंगना ने कहा, बहुत संघर्ष रहा, काफी चीजों का सामना करना पड़ा। यह आसान सफर नहीं था। इसमें कई मुश्किलें थीं। हमें यह फिल्म कई समुदायों को दिखानी थी। हमारी फिल्म की हर एक चीज की जांच की गई। ऐसी तमाम बाधाओं को पार करने के बाद, हम आखिरकार यहां पहुंचे हैं।

मुंबई में बेचनी पड़ी प्रॉपर्टी

फिल्म की रिलीज टलने के बाद कंगना को मुंबई में अपनी प्रॉपर्टी भी बेचनी पड़ी। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि फिल्म बनाते समय उन्हें इतनी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। अभिनेत्री ने कहा, मुझे नहीं पता था कि इस फिल्म को बनाते समय मुझे मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, आमतौर पर मेरी फिल्में बहुत ही आरामदायक बजट में बनती हैं, लेकिन इस बार मुझे बहुत संघर्षों का सामना करना पड़ा, चाहे वह स्टूडियो से जुड़ा हो या फंड से। सबसे बड़ा संघर्ष यह था कि कोई भी फिल्म की रिलीज को लेकर आश्वस्त नहीं था। क्या यह कभी रिलीज होगी या नहीं? यह सवाल हमेशा हमारे दिमाग में रहता था।

बॉलीवुड की इन अभिनेत्रियों से प्रेरित हैं अनन्या पांडे

अनन्या पांडे ने खो गए हम कहां, कॉल मी बे और सीटीआरएल जैसी कई फिल्मों से दर्शकों का दिल जीता है। हाल ही में उन्होंने अपने भविष्य के करियर की योजनाओं के बारे में खुलकर बात की और साथ ही यह भी बताया की वह किन बॉलीवुड अभिनेत्रियों से बेहद प्रेरित हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या पांडे से जब अभिनय के बारे में उनकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में पूछा गया। तब अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें अभी तक विश्वास नहीं था कि वह निर्देशन कर सकती हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने पिता चंकी पांडे के साथ निर्माण पर काफी हद तक चर्चा की है। अनन्या ने कहा कैसे कोई इंसान किसी स्क्रिप्ट में कुछ या किसी व्यक्ति को सही नहीं मान सकता। किसी का भी सेक्शन करने से पहले बहुत सारे काम और संयोजन लागू होते हैं। अनन्या ने यह भी बताया कि वह कैसे चाहती हैं कि कुछ खास तरह के प्रोजेक्ट बनाए जाएं, लेकिन वह खुद को उनमें अभिनय करते हुए नहीं देखती हैं। उन्होंने खुलासा किया कि एक निर्माता के पास ऐसा करने की शक्ति होती है।
अनन्या पांडे ने आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोण जैसी अभिनेत्रियों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके प्रोडक्शन के काम ने उन्हें एक अभिनेता के तौर पर नया जीवन दिया है। अनन्या ने कहा, दीपि पादुकोण और आलिया भट्ट कुछ बिल्कुल अलग कर रही हैं, जबकि वे अभी भी उन चीजों से जुड़ी हुई हैं, जिनके लिए वे सबसे अच्छी जानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि आलिया और दीपिका ही वह हैं जिसकी ओर वह देख रही थीं और भविष्य में ऐसा करने की उम्मीद कर रही थीं। अनन्या, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट द्वारा अपने प्रोडक्शन में किए गए काम से काफी प्रेरित हैं। 2024 में, अनन्या पांडे को साइबर थ्रिलर फिल्म CTRL और कॉमेडी ड्रामा सीरीज कॉल मी बे में उनकी भूमिकाओं के लिए बहुत प्रशंसा मिली। अब, वह चांद मेरा दिल और बाकी कई आगामी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं।

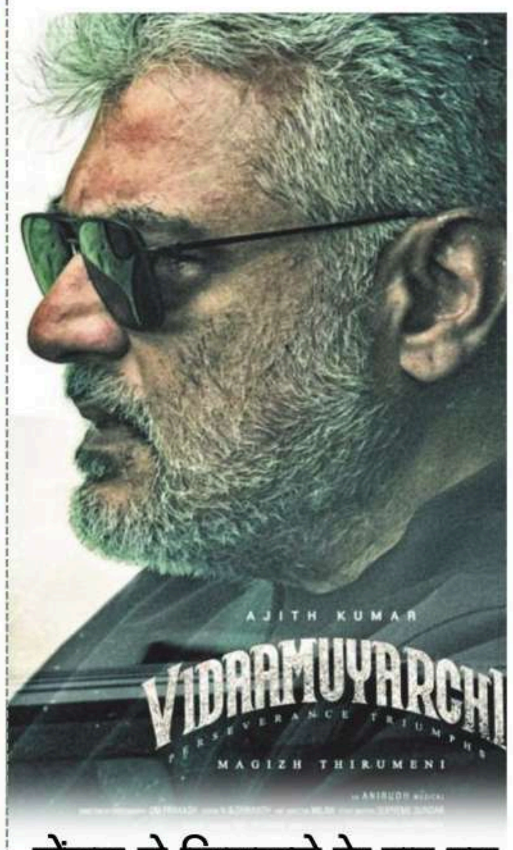

पोंगल से खिसकने के बाद इस दिन दस्तक देगी विदामुयार्ची? अजित की फिल्म की रिलीज डेट पर अटकलें तेज

अजित कुमार और तृषा कृष्णन की बहुप्रतीक्षित फिल्म विदामुयार्ची को इस साल पोंगल के अवसर पर रिलीज किया जाना था, लेकिन आखिरी समय पर निर्माताओं ने इसकी रिलीज को टाल दिया। खबर है कि निर्माताओं कुछ कानूनी मुद्दों में उलझे हुए हैं। ऐसे में अब सवाल यह है कि फिल्म रिलीज कब होगी। वहीं, अब सोशल मीडिया पर फिर एक बार इसकी नई रिलीज डेट को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

फिल्म की नई रिलीज डेट

रिपोर्ट्स के अनुसार, विदामुयार्ची अब जनवरी के अंत में रिलीज हो सकती है। इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्र श्रीधर पिल्लई के हालिया पोस्ट के अनुसार, व्यापार विश्लेषकों का दावा है कि फिल्म संभवत: 30 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। हालांकि, अभी तक निर्माता की तरफ से कुछ भी पुष्टि नहीं की गई है।

हॉलीवुड फिल्म का रीमेक है विदामुयार्ची

मगिज थिरुमेनी द्वारा निर्देशित फिल्म विदामुयार्ची एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसके बारे में अनुमान लगाया जा रहा है कि यह हॉलीवुड फिल्म ब्रेकडाउन का रूपांतरण है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन फिल्म के टीजर से दोनों के बीच समानताएं सामने आई हैं।दरअसल, विदायामुयार्ची हॉलीवुड फिल्म ब्रेकडाउन की अनौपचारिक रीमेक है। पैरामाउंट पिक्चर्स ने लाइका प्रोडक्शंस पर मुकदमा करने का फैसला किया है।

फिल्म की रिलीज में देरी की वजह

ऐसे में विदायामुयार्ची के आधिकारिक रीमेक अधिकार सुरक्षित करने के लिए लाइका को पैरामाउंट पिक्चर्स को 10 मिलियन डॉलर यानी 85 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। इस राशि का भुगतान करने के बजाय लाइका प्रोडक्शंस ने पैरामाउंट पिक्चर्स को फिल्म की रिलीज के लिए एक साझेदारी सौदे की पेशकश की है। फिल्म की रिलीज में देरी की असली वजह यही है।

फिल्म के कलाकार

विदामुयार्ची मूल रूप से तमिल भाषा में बनाई गई थी और इसे 10 जनवरी, 2025 को रिलीज किया जाना था, जिसे स्थगित कर दिया गया। अब इसकी नई रिलीज डेट का इंतजार है। विदामुयार्ची को फिल्म निर्माता मगिज थिरुमेनी ने लिखा और निर्देशित किया है। इस फिल्म के जरिए अजित और मगिज थिरूमेनी पहली बार साथ काम कर रहे हैं। इसमें तृषा कृष्णन, अर्जुन सरजा और रेजिना कैसेंड्रा भी हैं।

शाहरुख खान के साथ काम करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है

मशहूर कोरियोग्राफर और निर्माता-निर्देशक फराह खान ने इंडस्ट्री के टॉप कलाकारों के साथ काम किया है। इस लिस्ट में बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान भी शामिल हैं। हाल ही में फराह खान ने शाहरुख के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। साथ ही यह खुलासा किया कि स्त्रऋ के साथ काम कर पाना अब उनके लिए पहले के मुकाबले काफी मुश्किल हो चला है। जानते हैं इसकी वजह।

इस वजह से बढ़ता है प्रेशर

फराह खान ने कहा कि जब भी वे किसी नए गाने पर साथ काम करते हैं तो हर बार प्रेशर दोहरा हो जाता है। फराह ने कहा कि साथ काम करते हुए कुछ शानदार ट्रैक तैयार हुए, इसके चलते अब जब भी साथ काम करते हैं तो पहले से ज्यादा दबाव बढ़ जाता है। फराह खान ने ईटाइम्स से बातचीत में यह खुलासा किया। फराह खान ने लंबे वक्त से चल रही अपनी दोस्ती को लेकर भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने बताया कि कुछ सितारों से उनकी दोस्ती उनके स्टार बनने से पहले की हैं। फराह ने बताया कि शाहरुख खान के साथ उनकी दोस्ती कभी हां कभी ना और दीवाना की रिलीज होने से पहले ही शुरू हो गई थी। फराह खान ने कहा कि दशकों पुरानी दोस्ती होने के बावजूद शाहरुख खान के साथ काम करना अब समय के साथ मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा, अगर उस समय उनके साथ काम करना मुश्किल था, तो अब और भी मुश्किल है। जब भी हम किसी गाने पर काम करते हैं, तो दबाव दोगुना हो जाता है, क्योंकि हमने साथ मिलकर शानदार गाने बनाए हैं। फराह ने यह भी कहा कि हैप्पी न्यू ईयर के बाद दिलचस्प प्रोजेक्ट्स की कमी के चलते उन्होंने निर्देशन से ब्रेक लिया।

निर्देशन में लौटने का पक्का इरादा, लेकिन...

फराह खान ने कहा कि ब्रेक के बाद उन्होंने अपने परिवार पर पूरा फोकस किया। अपने बच्चों के साथ क्वालिटी वक्त बिताया और छुट्टियां मनाईं। उन्होंने यह भी कहा कि निर्देशन में वापसी की उनकी इच्छा है, लेकिन वे कमबैक तभी करेंगी जब कोई अच्छी स्क्रिप्ट होगी और सही समय होगा। बता दें कि फराह खान ने फिल्म मैं हूं ना से निर्देशन की दुनिया में डेब्यू किया। फराह ने शाहरुख खान के चलेया, दर्द-ए-डिस्को जैसे गानों को कोरियोग्राफ किया है।

फरहान अख्तर के पिता बनने की खबर अफवाह, शबाना आजमी ने किया कंफर्म

एक्टर-डायरेक्टर फरहान अख्तर के तीसरी बार पिता बनने की खबर अफवाह है। इस बात की पुष्टि एक्ट्रेस शबाना आजमी ने की है। दरअसल, हाल ही में खबर आई थी कि फरहान की दूसरी पत्नी शिबानी दांडेकर मां बनने वाली हैं। शबाना आजमी ने बातचीत में कहा कि प्रेग्नेंसी की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। फरहान और शिबानी बच्चे की प्लानिंग भी नहीं कर रहे हैं। फरहान ने 2022 में शिबानी दांडेकर से शादी की थी। शादी से पहले दोनों 4 साल तक रिलेशनशिप में थे और लिव इन भी रहे थे। दोनों ने 2018 में अपना रिश्ता ऑफिशियल किया था।

पहली शादी से दो बेटियों के पिता हैं फरहान

फरहान की शिबानी से दूसरी शादी है। उन्होंने पहली शादी हेयर स्टाइलिस्ट अधुना से 2000 में की थी। इस शादी से उन्हें दो बेटियां भी हैं। फरहान और अधुना ने 2017 में तलाक ले लिया था। फरहान के वर्कफंट की बात करें तो वे आने वाले समय में फिल्म 120 बहादुर में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी 1962 के भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है। फिल्म में फरहान मेजर शैतान सिंह के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, फरहान की डायरेक्टोरियल फिल्म डॉन 3 भी इसी साल रिलीज होने वाली है।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267